PRAVIN C
PUBLICATION

COMBINE 2024
गट-ब आणि गट-क (पूर्व) परीक्षा

PRAVIN C
PUBLICATION

(वर्गीकरण व विश्लेषणात्मक प्रश्नसंच 2012-2023)

लेखन व संकलन : प्रा. प्रविण इंदूमती श्रीराम चोरमले

Email. : chormalepravin@gmail.com

pravincpublication@gmail.com

प्रकाशक :

प्रविण सी. पब्लिकेशन

128/3/1 बारंगणी मळा, ओव्हीओ गार्डन, फ्लॅट नं. ए 104,

धायरी - 411041

ऑफिस - 3 रा मजला, निलय कॉम्प्लेक्स, हॉटेल शेतकरीच्या

शेजारी, आनंद नगर, पुणे - 411051

Email. : pravincpublication@gmail.com

Telegram : Pravinchormaleanalysis

© लेखकाधिन

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced or transmitted, in any form or by any means, without permission. Any person who does any unauthorised act in relation to this publication may be liable to criminal prosecution and civil claims for damages.

आवृत्ती आठवी : फेब्रुवारी 2024

मूल्य ₹ 890/-

अक्षर जुळवणी/मांडणी : प्रविण सी. पब्लिकेशन टीम, पुणे

मुखपृष्ठ : Urban Pixels.in

विशेष सूचना :

पुस्तकातील माहिती शक्य तेवढी अद्ययावत व अचूक देण्याचा प्रयत्न केला आहे. तरीही नजरचुकीने काही त्रुटी असल्याचे निदर्शनास आणून दिल्यास योग्य त्या सूचनांचा पुढील आवृत्तीत आवश्य विचार करू. तसेच पुस्तक वाचताना काही समस्या निर्माण झाल्यास 9700529393 या भ्रमणध्वनी क्रमांकावर कॉल करून प्रत्यक्ष निराकरण करू शकता. तसेच विविध संकेतस्थळ, विविध संदर्भग्रंथांचा उपयोग करून पुस्तकाची रचना केली आहे. तरी लेखक, प्रकाशक, विक्रेता सर्व बाबींशी सहमत असेलच असे नाही.

PRAVIN C PUBLICATION

1 राज्यशास्त्र 17

क्र.	विषय	प्रश्न संख्या	पृष्ठ
१	**संविधान सभा व समित्या**	१२०	१८
1.1	**संविधान निर्मिती प्रक्रिया**	7	18
1.2	**संविधान सभा व समित्या**	20	22
1.	संविधान सभा	14	23
2.	समित्या	6	29
1.3	**जम्मू-काश्मीर राज्यघटना**	1	32
1.4	**घटना वैशिष्ट्ये**	19	32
1.	सुची	6	32
2.	स्त्रोत	2	39
3.	कलमे	4	40
4.	परिशिष्टे / अनुसूची	2	42
5.	संघराज्य	5	45
1.5	**सरनामा**	9	50
1.	42 वी घटनादुरुस्ती	2	50
2.	वर्णन	1	50
3.	वैशिष्ट्ये	3	51
4.	महत्वाचे खटले	3	52
1.6	**राज्य व राज्यनिर्मिती (कलम 1 ते 4)**	9	54
1.	भारत - राज्ये संघराज्ये	9	55
1.7	**नागरिकत्व (कलम 5 ते 11)**	6	59
1.	नागरिकत्व कायदा	2	59
2.	नागरिकत्व विधाने व तरतुदी	4	59
1.8	**मूलभूत हक्क (कलम 12 ते 35)**	16	62
1.	कलमे	16	62
1.9	**मार्गदर्शक तत्त्वे (कलम 36 ते 51)**	14	70
1.	भाग व कलमे	14	70
1.10	**मूलभूत कर्तव्य कलम (51 A)**	13	76
1.11	**घटना दुरुस्ती (कलम 368)**	6	80
२	**संसदीय कार्यपद्धती व न्यायालयीन व्यवस्था**	६५	८७
2.1	**राष्ट्रपती**	10	87
1.	अधिकार	5	87
2.	महाभियोग	1	88
3.	राष्ट्रपती–पंतप्रधान	3	89
4.	निवडणूक	1	91
2.2	**लोकसभा**	1	92
1.	कार्यपद्धती / अधिकार	1	92
2.3	**राज्यसभा**	3	92
1.	प्रतिनिधित्व	3	92
2.4	**पंतप्रधान**	2	95
1.	कार्य / महत्व	2	95
2.5	**मंत्रिमंडळ**	1	97
1.	कलमे	1	97
2.6	**संसद कामकाज पद्धती/ संसद**	8	97
1.	विधेयके	4	97
2.	समित्या	1	99
3.	कलमे	1	100
4.	संसद सदस्य	1	100
5.	अधिवेशन	1	101
2.7	**विविध आयोग**	9	102
2.8	**आणीबाणी**	3	107
2.9	**निवडणुक आयोग व निवडणुका**	10	108
1.	निवडणुक आयोग	7	108

INDEX कंबाईन (पूर्व) परीक्षा 2024

2.	चालू घडामोडी	3	112
2.10	**न्यायालयीन व्यवस्था**	12	114
1.	सर्वोच्च न्यायालय	2	114
2.	उच्च न्यायालय	10	115
2.11	**महान्यायवादी**	2	120
2.12	**केंद्र-राज्य संबंध**	4	122
३	**राज्य विधीमंडळ**	**४५**	**१२४**
3.1	**राज्यपाल**	11	124
1.	नामनिर्देशन	2	124
2.	कार्यकाल	1	125
3.	कार्य व अधिकार	8	126
3.2	**मुख्यमंत्री**	8	130
1.	मंत्रिमंडळ सदस्यसंख्या	1	130
2.	आतापर्यंतचे मुख्यमंत्री/ महिला मुख्यमंत्री	3	130
3.	कलमे	3	133
4.	मंत्रिमंडळ	1	135
3.3	**विधानसभा**	4	135
1.	कामकाज	4	135
3.4	**विधानपरिषद**	6	138
3.5	**महाधिवक्ता**	9	141
3.6	**महत्त्वाच्या संस्था/लोकपाल/ लोकायुक्त**	2	144
3.7	**निवडणुका व आयोग (महाराष्ट्र)**	5	145
४	**पंचायत राज**	**६७**	**१४७**
4.1	**पंचायत राज व्यवस्था/ महाराष्ट्र पंचायत राज कायदे**	10	147
4.2	**73 वी व 74 वी घटनादुरूस्ती**	9	149
4.3	**ग्रामपंचायत/ग्रामसभा/सरपंच/ ग्रामसेवक**	29	158
4.4	**पंचायत समिती/सभापती /सरपंच समिती/गट विकास अधिकारी**	5	168
4.5	**जिल्हा परिषद/अध्यक्ष/ समित्या/ मुख्य कार्यकारी अधिकारी**	8	170
4.6	**महानगरपालिका/महापौर/समित्या**	2	173
4.7	**पंचायत राजशी संबंधित समित्या**	4	174

2 अर्थशास्त्र 177

क्र.	विषय	प्रश्न संख्या	पृष्ठ
१	नियोजन (Planning)/इतर योजना	३६	१७८
1.1	राष्ट्रीय उत्पन्न समिती	2	178
1.2	निती आयोग	2	180
1.3	भारतीय नियोजन : मूलभूत तथ्ये/बाबी	2	182
1.4	नियोजनाची प्रतिमाने (एकत्रित)	1	184
1.5	कालावधी (एकत्रित)	1	184
1.6	उद्दिष्टे	1	185
1.7	वृद्धी दर	3	185
1.8	पहिली पंचवार्षिक योजना	2	188
1.9	दुसरी पंचवार्षिक योजना (1956-61)	4	189
1.10	चौथी पंचवार्षिक योजना	1	191
1.11	नववी पंचवार्षिक योजना (1997-2002)	2	191
1.12	अकरावी पंचवार्षिक योजना (2002-07)	4	192
1.13	बारावी पंचवार्षिक योजना	3	194
1.14	प्राथमिक/द्वितीय सेवा क्षेत्र यांचा जीडीपीतील वाटा/प्रमाण	3	196
1.15	नियोजनसंबंधी इतर योजना	5	198
	पंचवार्षिक योजना		199
२	शेती	२४	२०८
2.1	स्थुल देशांतर्गत उत्पादनात शेती क्षेत्राचा वाटा	3	208
2.2	भारतीय शेती	13	209
1.	अन्नधान्य उत्पादन/लागवड	5	209
2.	सिंचन	2	212
3.	हरितक्रांती	3	214
4.	जमिन धारणा	2	216
5.	पीक रचना	1	217
2.3	शेतीशी निगडित उद्योग/ पशूपालन	3	218
2.4	शेती - वित्त पुरवठा/आर्थिक नियोजन	3	219
2.5	मासेमारी	2	220
३	उद्योग	२९	२२२
3.1	औद्योगिक विकासाशी संबंधित संस्था	1	222
3.2	सार्वजनिक क्षेत्रातील उद्योग	2	223
3.3	उद्योगांचे प्रकार/ विविध उद्योग	3	225
3.4	समस्या / सुधारणा	3	227
3.5	औद्योगिक वित्त	1	228
3.6	औद्योगिक धोरणे संबंधित कायदे	5	228
3.7	नवे औद्योगिक धोरण - 1991 नंतरचे बदल	5	230
3.8	स्थूल देशांतर्गत उत्पादन वाटा	3	233
3.9	दळणवळण	3	234
3.10	निर्देशांक	1	235
3.11	सेवा क्षेत्र	2	235
४	परकीय व्यापार आणि व्यवहारतोल	३८	२३७
4.1	आयात	5	237
4.2	निर्यात	9	239
4.3	व्यवहारतोल	1	243
4.4	व्यापारशेष	1	243
4.5	FDI	5	244
4.6	रुपयाचे अवमूल्यन	3	246
4.7	रुपयाची परिवर्तनियता	1	246
4.8	SEZ / EPZ	5	247
4.9	व्यापार संबंधित आंतरराष्ट्रीय संघटना व करार	8	249

1.	GATT / WTO	6	249
2.	महत्त्वाच्या संघटना	2	254
५	**सार्वजनिक वित्त**	८३	२५५
5.1	**राजकोषीय धोरणाची उद्दिष्ट्ये**	5	255
1.	विभाग/उद्दिष्ट्ये	5	255
5.2	**तुटीचा भरणा व तुटीच्या संकल्पना**	10	257
1.	तुटीची संकल्पना	2	257
2.	तुटीचा अर्थभरणा	2	258
3.	समित्या	1	261
4.	तुटीचे अंदाजपत्रक व त्याची देयता	3	261
5.	अंदाजपत्रकातील तुटीचे प्रमाण	2	262
5.3	**अर्थसंकल्प / अंदाजपत्रक**	19	262
1.	अर्थसंकल्पाची व्याप्ती	11	262
2.	घटनात्मक तरतूद	1	266
3.	अंदाजपत्रक	2	266
4.	लेखा व लेखा परिक्षण	4	267
5.	महाराष्ट्र	1	268
5.4	**भारतीय कर व्यवस्था/रचना**	17	268
1.	कर उत्पादन	6	268
2.	राजकोषीय धोरण	1	271
3.	GAAR-DTC	3	272
4.	अप्रत्यक्ष कर (GST)	3	273
5.	इतर कर	1	274
6.	संकल्पना	1	275
7.	भारतीय करचनेतील बदल	1	275
8.	महाराष्ट्रातील कररचना / सुधारणा	1	275
5.5	**वित्त आयोग**	9	275
1.	राष्ट्रीय आपत्ती निवारण निधी	3	275
2.	12 वा वित्त आयोग	1	276
3.	13 वा वित्त आयोग	3	277
4.	14 वा वित्त आयोग	2	277
5.6	**पैसा, पुरवठा, कार्य, सिद्धांत**	6	278
1.	संकल्पना	4	278
2.	पैशाचे कार्य	2	279
5.7	**राष्ट्रीय उत्पन्न**	10	280
1.	मोजणी	3	280
2.	संकल्पना	2	281
3.	पद्धती	2	282
5.8	**अर्थविषयक संसदीय समित्या**	2	283
5.9	**FRBM**	5	284
६	**बँकिंग**	५५	२८६
6.1	**भारतीय रिझर्व्ह बँक**	21	286
1.	BASIC	2	286
2.	मौद्रिक धोरणे/साधने	15	287
3.	निर्णय/अंमल	3	292
4.	अग्रणी बँक योजना (LBS)	1	292
6.2	**इतर बँका**	16	293
1.	राष्ट्रीयीकरण	3	293
2.	वर्गीकरण / प्रकार	4	294
3.	बँकाचे विलीनीकरण	2	295
4.	प्रादेशिक ग्रामीण बँका (RRB)	1	296
5.	नाणे बाजार / विमा	2	296
6.	नाबार्ड	4	297
6.3	**बँकींग**	18	300
1.	संकल्पना/ नवीन तंत्रज्ञान	4	300
2.	बँका विषयीचे कायदे / राज्यांच्या ठेवी	1	301
3.	भारत समावेशनाच्या योजना	5	301
4.	समित्या	5	302
5.	पुस्तके	1	304
6.	ASOCHAM चा पुरस्कार	2	304
७	**दारिद्र्य आणि रोजगार**	६४	३०५
7.1	**दारिद्र्य विषयक समित्या**	12	305
1.	तेंडूलकर समिती	5	305
2.	रंगराजन समिती	3	307
3.	दारिद्र्यविषयक तुलना/आकडेवारी	4	308

PRAVIN C PUBLICATION

7.2	**बेरोजगार/रोजगार**	37	310
1.	मूलभूत संकल्पना	4	310
2.	NSSO संकल्पना/आकडेवारी	3	310
3.	बेरोजगारीचे प्रकार व कारणे	7	311
4.	सरकारी उपक्रम व योजना	22	313
5.	कायदा/अधिनियम	1	319
7.3	**मानव विकास निर्देशांक**	13	319
1.	घटक	4	319
2.	भारताचा क्रमांक	1	320
3.	जागतिक क्रमांक	3	321
4.	संकल्पना	1	322
5.	महाराष्ट्र आकडेवारी	1	322
6.	मानवी हक्क	1	323
7.	MPI	2	323
7.4	**दारिद्रय योजना**	2	324
८	**LPG धोरण / जागतिकीकरण**	**१**	**३२५**
8.1	उ.खा.जा.	1	325
९	**लोकसंख्या (Population)**	**३८**	**३२९**
9.1	**लोकसंख्या स्थित्यंतर/संक्रमण**	5	329
9.2	**जननदर**	4	332
9.3	**भारत लोकसंख्या**	3	334
1.	UNO	1	334
2.	**शहरीकरण**	2	334
9.4	**भारत - 2011 जणगणना**	11	335
1.	बाल मृत्यूदर	1	335
2.	तथ्ये (facts)	3	335
3.	शहरी लोकसंख्या	1	336
4.	लिंग गुणोत्तर	1	336
5.	साक्षरता	2	337
6.	घनता	3	338
9.5	**लोकसंख्या धोरणे**	4	340
9.6	**महाराष्ट्र लोकसंख्या 2011**	11	341
1.	तथ्य	1	341
2.	साक्षरता	2	341
3.	लिंग गुणोत्तर	3	342
4.	लोकसंख्यानुसार जिल्हे	1	343
5.	बाल लिंग गुणोत्तर	2	343
6.	अनुसूचित जाती लोकसंख्या	1	344
7.	इतर	1	344

3 इतिहास 345

क्र.	विषय	प्रश्न संख्या	पृष्ठ
1	**आदिवासी व शेतकरी उठाव**	**15**	**346**
1.1	**आदिवासी व शेतकरी उठाव**	15	346
1.	आदिवासी भिल्लांचा उठाव	3	346
2.	रामोशी उठाव	1	347
3.	संथाळांचा उठाव	2	348
4.	कोळी उठाव	2	349
5.	शेतकऱ्यांचा उठाव	3	350
6.	निळीचा उठाव	1	351
7.	एकत्रित उठाव	2	351
8.	साहित्य	1	352
2	**1857 चा उठाव**	**26**	**353**
2.1	1857 **चा उठाव**	26	353
1.	स्वरूप	2	353
2.	कारणे	2	354
3.	वैशिष्ट्ये	3	356
4.	1857 च्या उठावात महाराष्ट्र	6	357
5.	परिणाम	5	359
6.	साहित्य	1	361
7.	संबंधित व्यक्ती	7	362
3	**गव्हर्नर जनरल**	**18**	**365**
3.1	**गव्हर्नर जनरल**	18	365
1.	लॉर्ड डलहौसी (1848-56)	5	365
2.	लॉर्ड मेयो (1869-72)	1	368
3.	लॉर्ड रिपन (1880-84)	1	368
4.	विल्यम बेंटिंक (1828-35)	1	369
5.	लॉर्ड लिटन (1876-80)	1	373
6.	लॉर्ड डफरिन (1884-88)	1	373
7.	लॉर्ड वेलस्ली (1798-1805)	1	374
8.	लॉर्ड कर्झन (1898-1905)	1	375
9.	लॉर्ड कॅनिंग (1856-62)	2	376
10.	सी. रोजगोपालचारी	1	377
11.	इतर	3	377
4	**कायदे**	**12**	**380**
1.	1773	1	380
2.	1813	1	381
3.	1858	5	382
4.	1919	4	383
5.	1935	1	387
5	**महसूल व्यवस्था**	**20**	**391**
1.	ग्रंथ	5	391
2.	महसुल संबंधित बाबी / पिके सिद्धांत	4	393
3.	महसूल पद्धती	8	395
4.	वसाहतवाद, परिणाम	3	398
6	**शिक्षण, दळणवळण व वृत्तपत्र**	**29**	**399**
1.	शिक्षण	9	399
2.	रेल्वे / विमान	9	404
3.	वृत्तपत्रे	8	407
4.	पुस्तके	1	411
5.	विचारवंत-विधाने	2	411
7	**सामाजिक सुधारणा / भारतातील समाजसुधारणा**	**22**	**413**
1.	आर्य समाज	3	413
2.	प्रार्थना समाज	4	114
3.	ब्राह्मो समाज व राजा राममोहन रॉय	6	417
4.	रामकृष्ण मिशन	1	421
5.	परमहंस सभा	4	421
6.	इतर	4	423

PRAVIN C PUBLICATION

8	**महाराष्ट्रातील समाजसुधारक**	**121**	**425**
1.	महात्मा फुले	19	425
2.	राजर्षी शाहू महाराज	14	431
3.	डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर	17	436
4.	गो. ग. आगरकर	11	441
5.	महर्षी कर्वे	14	444
6.	वि. रा. शिंदे	2	447
7.	कर्मवीर भाऊराव पाटील	1	448
8.	महादेव गोविंद रानडे	2	449
9.	लोकहितवादी	2	452
10.	विष्णुबुवा ब्रह्मचारी	1	453
11.	रा.गो. भांडारकर	1	453
12.	पंडिता रमाबाई	3	454
13.	रमाबाई रानडे	1	454
14.	नाना शंकरशेठ	1	455
15.	बेहरामजी मलबारी	1	455
16.	ग. वा. जोशी	1	456
17.	वि. दा. सावरकर	1	456
18.	शिवराम जानबा कांबळे	2	456
19.	राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज	1	457
20.	भाऊ दाजी लाड	1	457
21.	बाळशास्त्री जांभेकर	2	458
22.	इतर महत्त्वाच्या महिला/व्यक्ती	23	459
9	**काँग्रेस पूर्व संघटना व कार्य**	**15**	**470**
9.1	**काँग्रेस पूर्व संघटना व कार्य**	15	470
1.	दादाभाई नौरोजी	4	470
2.	बॉम्बे प्रेसिडेन्सी असोसिएशन	2	473
3.	द बॉम्बे असोसिएशन	3	473
4.	इंडियन लीग, इंडियन असोसिएशन	2	475
5.	यंग बेंगाल	1	476
6.	डेक्कन सभा	1	476
7.	एकत्रित	2	477
10	**काँग्रेसची स्थापना**	**17**	**478**
1.	अधिवेशने	10	478
2.	वैशिष्ट्ये	1	482
3.	विधाने	3	482
4.	नेते सहभाग	3	484
11	**मवाळ युग**	**35**	**486**
11.1	**मवाळ युग**	8	486
1.	विधाने	3	486
2.	नेते	5	487
11.2	**जहाल युग** (1905-1920)	27	489
1.	कायदे	1	489
2.	बंगाल फाळणी	2	490
3.	वृत्तपत्रे	4	492
4.	चळवळी	5	493
5.	संस्था	1	496
6.	आयोग	1	496
7.	संघटना	1	496
8.	अधिवेशने	2	497
9.	इतर	10	498
12	**गांधी युग (1915-1928)**	**60**	**502**
12.1	**गांधी युग** (1915-1928)	31	502
1.	1919 कायदा/मुडिमन समिती	3	502
2.	चळवळी	16	503
3.	पक्ष	6	512
4.	सायमन कमिशन	4	516
5.	नेहरु रिपोर्ट	2	517
12.2	**गांधी युग** (1929-1940)	16	519
1.	चळवळी	3	519
2.	कायदे	5	521
3.	अधिवेशने	2	524
4.	इतर	6	525
12.3	**गांधी युग** (1941-1947)	13	528
1.	भूमिगत चळवळ /गुप्त संघटना	1	528
2.	ब्रिटिश धोरणे	3	528
3.	चळवळी/ पत्री सरकार	5	529
4.	भारतीय कार्यक्रम/ आंदोलन	2	530

5.	रॉयल इंडियन नेव्ही – उठाव	1	531
6.	1942 च्या चळवळीच्या अपयशाची कारणे	1	532
13	**भारतातील क्रांतिकारी चळवळी**	**33**	**533**
13.1	**महाराष्ट्रातील क्रांतिकारी चळवळ**	21	533
1.	वासुदेव फडके	7	533
2.	उमाजी नाईक	2	535
3.	चाफेकर बंधू	2	536
4.	सावरकर बंधू – कान्हेरे	2	536
5.	पांडुरंग खानखोजे	1	537
6.	एकत्रित	3	537
7.	इतर	4	538
13.2	**भारतातील क्रांतिकारी चळवळ**	4	539
1.	आदिवासी क्रांतिकारक	1	539
2.	चंद्रशेखर आझाद	1	539
3.	क्रांतिकारकांचे कार्यक्रम / साहित्य	2	539
13.3	**भारताबाहेरील क्रांतिकारी चळवळ**	7	541
1.	प्रेरणा	2	541
2.	कर्तारसिंग	1	541
3.	इंडिया हाऊस – शामजी वर्मा	1	542
4.	सरदारसिंग राणा	1	543
5.	गदर – अमेरिका – कॅनडास्थित	1	543
6.	मदनलाल धिंग्रा	1	544
13.4	**संघटना**	1	544
14	**नेताजी सुभाषचंद्र बोस**	**4**	**547**
15	**फुटीरतावादी चळवळ**	**12**	**549**
1.	सय्यद अहमद खान	2	549
2.	मुस्लीम लिग	8	551
3.	जनसंघ	2	554
16	**कामगार**	**17**	**555**
1.	कायदे	4	555
2.	पक्ष/ संघटना	13	556
17	**शेतकरी/साम्यवादी**	**4**	**561**
18	**स्वातंत्र्योत्तर भारत**	**2**	**563**
19	**संयुक्त महाराष्ट्र चळवळ**	**6**	**564**
1.	सभा/संघटना	4	564
2.	कथा/कादंबरी	1	565
3.	वृत्तपत्रे/नियतकालिके	1	565
20	**महिला चळवळ/सहभाग**	**4**	**567**

PRAVIN C PUBLICATION

4 भूगोल 569

क्र.	विषय	प्रश्न संख्या	पृष्ठ
१	**भारताचा भूगोल**	१४३	५७०
1.	**भारतीय प्रमाणवेळ**	4	570
1.1	रेखांश/रेखावृत्ते	2	571
1.2	अक्षांश/अक्षवृत्ते	1	572
2.	**खंड निर्मिती प्रक्रिया**	1	573
3.	**भारत : भौगोलिक रचना**	7	574
3.1	लांबी	1	574
3.2	किनारा	1	574
3.3	मैदाने/मृदा/खडक	5	576
4.	**नद्या**	15	579
4.1	प्रकल्प	5	580
4.2	दोआब/खचदरी/जलविभाजन	3	581
4.3	तयार केलेले त्रिभुज प्रदेश	2	583
4.4	क्रम	1	585
4.5	उगम व शेवट	1	585
4.6	नदी/खोरे वैशिष्ट्ये	1	586
4.7	चालू घडामोडी	1	586
4.8	भूजल - इतर प्रकार	1	586
5.	**पर्वते, शिखरे / खिंडी**	8	587
5.1	क्रम	3	588
5.2	टेकड्या/ ठिकाण	2	589
5.3	प्रकार/निर्मिती	1	590
5.4	खिंडी	2	591
6.	**सागर, आखात, सरोवरे**	4	593
6.1	ठिकाण	1	594
6.2	दुवे / कालवे	1	595
6.3	बंदरे वैशिष्ट्ये	2	595
7.	**वने**	3	596
8.	**हवामान**	4	601
8.1	पर्जन्य	9	603
9.	**खनिज संपत्ती**	11	607
9.1	लोहखनिज	2	607
9.2	दगडी कोळसा	2	609
9.3	बॉक्साईट	2	610
9.4	खनिज तेल	3	611
9.5	खडक/खनिजे	2	612
10.	**उद्योग**	13	614
10.1	वर्गीकरण	2	614
10.2	उद्योग वैशिष्ट्ये	3	614
10.3	उद्योग स्थापना/निर्मिती	8	616
11.	**दळणवळण**	19	620
11.1	रेल्वे	8	620
11.2	कॉरिडॉर/महामार्ग	9	623
11.3	इतर	2	629
12.	**राज्ये व वैशिष्ट्ये**	5	630
13.	**महत्त्वाची ठिकाणे**	3	632
14.	**बेटे, लेण्या**	3	633
15.	**ऊर्जा निर्मिती**	6	634
15.1	पवन ऊर्जा	2	634
15.2	अणु ऊर्जा	1	635
15.3	इतर	3	635
16.	**ग्रामीण-वसाहती विकास**	5	636
17.	**शेती**	17	638

INDEX कंबाईन (पूर्व) परीक्षा 2024

17.1	शेती आधारीत कार्यक्रम/उद्योग	12	638
17.2	हरित्क्रांती/ स्थलांतरित शेती	3	642
17.3	समस्या	2	644
18.	**कृषी विषयक कायदे**	1	644
19.	**जमिनीची धूप / समस्या**	1	644
20.	**भूकंप**	1	645
२	**महाराष्ट्राचा भूगोल**	**२१५**	**६४६**
2.1	**विस्तार**	5	646
2.2	**खडक प्रकार**	7	650
2.3	**मृदा**	4	652
2.4	**भौगोलिक रचना**	8	654
1.	पठार	2	654
2.	खाड्या	4	655
3.	खिंड	2	656
2.5	**नद्या**	40	657
1.	नदीचे खोरे	3	657
2.	उगम व शेवट	2	659
3.	नद्यांच्या वाहण्याची दिशा	6	660
4.	उपनदी	6	662
5.	विभाजन	3	666
6.	वैशिष्ट्ये	9	669
7.	जलसिंचन योजना	2	671
8.	जलविद्युत प्रकल्प	5	672
9.	संगम	1	673
10.	जलाशय/धरणे	3	674
2.6	**पर्वत /शिखरे**	13	675
2.7	**बेटे / लेण्या**	5	679
1.	किल्ले/बेट	2	679
2.	पुळण	3	680
2.8	**वने/अभयारण्ये**	13	681
1.	क्षेत्र प्रमाण	1	681
2.	वने	5	682
3.	अभयारण्य	5	684
4.	इतर	2	688
2.9	**हवामान/पर्जन्य**	18	689
1.	पर्जन्य	11	689
2.	हवामान	7	696
2.10	**खनिज संपत्ती**	13	697
1.	जिल्हे/प्रदेश	9	697
2.	खनिजे	4	702
2.11	**उद्योग**	8	704
2.12	**मासेमारी/मत्स्य व्यवसाय**	4	707
2.13	**शेती व संबंधित उद्योग**	19	708
1.	उद्योग	2	708
2.	वैशिष्ट्ये /उत्पादन	7	708
3.	सिंचन	2	711
4.	पिकांनुसार क्रम	1	712
5.	पिके-जाती	2	712
6.	गुरे-जाती	2	713
7.	शेतीचे प्रकार	3	714
2.14	**दळणवळण**	9	715
1.	रेल्वे	6	715
2.	महामार्गे	3	717
2.15	**जिल्हे / विभाग**	12	720
1.	वैशिष्ट्ये	3	720
2.	तालुके	2	721
3.	प्रशासकीय विभाग - क्षेत्रफळ	2	722
	महाराष्ट्रातील प्रशासकीय विभाग - जिल्हे	1	724
4.	चालू घडामोडी	1	726
5.	जिल्हा सीमा	3	726
2.16	**सांस्कृतिक ठिकाणे (पर्यटन/लेण्या)**	6	727
2.17	**भौगोलिक ठिकाणे (झरे/धबधबे /थंड हवेची ठिकाणे)**	10	731
2.18	**जमाती (आदिवासी)**	9	735
2.19	**ऊर्जा साधने**	10	738
2.20	**प्रदूषण**	1	742
2.21	**जैवविविधता/पर्यावरण**	1	742

३	लोकसंख्या	२८	७४३
3.1	**भारत**	10	743
1.	जागतिक लोकसंख्या	1	743
2.	संक्रमण अवस्था	2	743
3.	लोकसंख्या वाढ	2	744
4.	स्थलांतर	2	746
5.	अनु. जाती लोकसंख्या	1	747
6.	वर्गीकरण	1	747
7.	घनता	1	748
3.2	**महाराष्ट्र**	18	749
1.	साक्षरता	1	749
2.	घनता	4	752
3.	लिंग गुणोत्तर	5	754
4.	नागरिकरण	3	757
5.	लोकसंख्या क्रम	1	759
6.	लोकसंख्या वाढ	2	761
7.	भाषा	1	762
8.	इतर	1	762
४	**प्राकृतिक भूगोल / हवामान**	**१९**	**७६३**
4.1	**मृदा निर्मिती व मृदेचे प्रकार**	3	763
4.2	**पृथ्वी**	1	765
4.3	**भू-आकार**	3	767
4.4	**वनांचे प्रकार**	5	776
4.5	**वारे/वारे निर्मिती आणि प्रकार**	2	778
4.6	**खगोलशास्त्र**	2	782
4.7	**पर्यावरण**	3	783

PRAVIN C PUBLICATION

INDEX कंबाईन (पूर्व) परीक्षा 2024

5 सा. विज्ञान 785

क्र.	विषय	प्रश्न संख्या	पृष्ठ
१	**भौतिकशास्त्र**	**९४**	**७८६**
1.1	राशी आणि राशीचे मापन	1	786
1.2	चाल, वेग आणि विस्थापन	2	786
1.3	वजन, वस्तुमान आणि घनता	1	787
1.4	गती व बल	1	787
1.5	कार्य/ऊर्जा/शक्ती	2	788
1.6	ऊर्जा आणि दाब	7	788
1.7	उष्णता व तापमान	13	790
1.8	ध्वनी	14	794
1.9	प्रकाश/आरसा/भिंग	17	799
1.10	विद्युत धारा	22	807
1.11	खगोलशास्त्र	6	812
1.12	चुंबकीय क्षेत्र	1	814
1.13	किरणोत्सारीता	7	815
२	**रसायनशास्त्र**	**९२**	**८१८**
2.1	द्रव्य, पदार्थ आणि पदार्थांचे अवस्थांतर	6	818
2.2	अणु संरचना	18	819
2.3	मूलद्रव्य आवर्तसारणी, वर्गीकरण	12	825
2.4	धातू, अधातू आणि धातू सदृश्य मूलद्रव्य	20	828
2.5	आम्ल, आम्लारी आणि क्षार	10	834
2.6	रासायनिक अभिक्रिया	9	838
2.7	कार्बन	9	840
2.8	दैनिक रसायनशास्त्र	4	843
2.9	शास्त्रज्ञ	2	844
2.10	संकीर्ण	2	844

३	**प्राणीशास्त्र**	**७८**	**८४५**
1.	वर्गीकरण	51	845
2.	पेशी	3	863
3.	ग्रंथी /संप्रेरक	2	865
4.	रक्ताभिसरण संस्था	8	865
5.	पचनसंस्था	2	869
6.	श्वसनसंस्था	1	870
7.	प्रजनन	2	870
8.	चेतासंस्था	1	871
9.	उत्सर्जन संस्था	1	872
10.	ज्ञानेंद्रिय	7	873
४	**आहारशास्त्र**	**६५**	**८७६**
1.	संतुलित आहार/पोषकतत्त्वे/ जीवनसत्त्वे	19	876
2.	मानवी रोग विकार	40	882
3.	कार्यक्रम	3	895
4	इतर	3	896
५	**वनस्पतीशास्त्र**	**६६**	**९००**
1.	वनस्पती वर्गीकरण	20	900
2.	पेशी	2	906
3.	वनस्पती अवयव	2	907
4.	पोषणद्रव्ये/ सुक्ष्म अन्नद्रव्ये	8	908
5.	जैविक कीटक/शेवाळ/बुरशी	14	910
6.	वनस्पती वाढ	5	915
7.	रोग/तणनाशक/कीटक	15	916

PRAVIN C PUBLICATION

6 चालू घडामोडी 921

क्र.	विषय	प्रश्न संख्या	पृष्ठ
	चालू घडामोडी स्ट्रॅटेजीविषयी		९२२
१	जागतिक घडामोडी	१०५	९२४
1.1	राजकीय घडामोडी (निवड/वाद/संघर्ष)	14	924
1.2	आंतरराष्ट्रीय संघटना (युनो/युनेस्को/डब्ल्यू. टी. ओ.)	16	925
1.3	महत्त्वाच्या व्यक्ती	9	927
1.4	भारत आणि जग	5	928
1.5	महत्त्वाचे पुरस्कार	17	928
1.6	खेळ (स्पर्धा/व्यक्ती/आयोजन)	21	930
1.7	विज्ञान तंत्रज्ञान (दळणवळण/कम्प्युटर/त्सुनामी)	13	932
1.8	परिषदा	5	934
1.9	पर्यावरण	1	934
1.10	आंतरराष्ट्रीय दिवस	2	934
1.11	आर्थिक घडामोडी	2	935
२	राष्ट्रीय घडामोडी	२४४	९३६
2.1	राजकीय निवड / घडामोडी / पंचायतराज	23	936
2.2	आर्थिक घडामोडी (कर/बँकिंग/अर्थसंकल्प)	21	938
2.3	सामाजिक घडामोडी (शिक्षण/आरोग्य)	7	940
2.4	सांस्कृतिक घडामोडी (साहित्य/मनोरंजन/पुरस्कार)	11	941
2.5	भारत सरकारचे पुरस्कार	17	943
2.6	विविध आयोग/संघटना	3	945
2.7	विविध योजना	21	945
2.8	खेळ/पुरस्कार	21	947
2.9	महिला	11	950
2.10	न्यायालयीन घडामोडी	10	951
2.11	नवीन विधेयके/कायदे	6	952
2.12	विज्ञान तंत्रज्ञान (दळणवळण/कम्प्युटर)	19	953
2.13	संरक्षण	20	955
2.14	महत्त्वाचे दिवस	8	957
2.15	महत्त्वाच्या व्यक्ती/पुस्तके	31	958
2.16	चळवळी/आंदोलने/संघर्ष	6	961
2.17	परिषदा	3	962
2.18	पर्यावरण	6	962
३	महाराष्ट्रातील घडामोडी	४६	९६३
3.1	राजकीय घडामोडी/पंचायतराज	8	963
3.2	आर्थिक घडामोडी (कर/बँकिंग/अर्थसंकल्प)	4	964
3.3	सामाजिक घडामोडी (शिक्षण/आरोग्य)	3	964
3.4	सांस्कृतिक घडामोडी (पुरस्कार/साहित्य)	8	964
3.5	महाराष्ट्र शासनाचे पुरस्कार	3	965
3.6	योजना	4	966
3.7	शहरे	2	966
3.8	खेळ	1	966
3.9	महत्त्वाच्या व्यक्ती	8	966
3.10	नवीन विधेयके/कायदे	3	967
3.11	विज्ञान तंत्रज्ञान/दळणवळण	2	968

7 अंकगणित बुद्धिमत्ता 969

क्र.	विषय	प्रश्न संख्या	पृष्ठ
१	**अंकगणित बुद्धिमत्ता**	४०१	९७०
1.1	बेरीज/वजाबाकी	16	970
1.2	गुणाकार/भागाकार	21	973
1.3	अपूर्णांक संख्या	12	977
1.4	समीकरणे	34	979
1.5	एकसमान पद्धती/समीकरणे	16	985
1.6	ल.सा.वि./म.सा.वि.	4	988
1.7	सरासरी	12	989
1.8	नफा-तोटा	7	991
1.9	शेकडेवारी	19	993
1.10	काळ/काम/वेग	30	997
1.11	वयवारी/दिनमान	12	1003
1.12	त्रिकोण/चौकोन/क्षेत्रफळ/घन	17	1006
1.13	अंकमालिका	53	1009
1.14	शब्दमालिका	42	1018
1.15	घड्याळ/दिशा	16	1026
1.16	नातेसंबंध	4	1029
1.17	बैठक व्यवस्था	21	1030
1.18	आकृत्या	34	1035
1.19	विधान अनुमाने / तर्कसंगतता / ठोकळे	25	1041
1.20	दिवस/दिनमान	2	1047
1.21	सरळ व्याज / चक्रवाढ व्याज	3	1047
1.22	मिश्रण	1	1048

PART
1

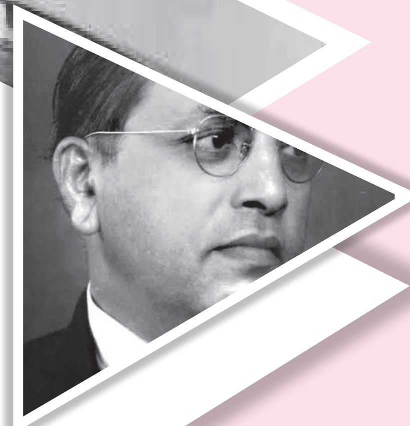

राज्यशास्त्र

विभाग

1 संविधान सभा व समित्या

1.1 संविधान निर्मिती प्रक्रिया

आवाका

कायदा	✓ 1919 चा कायदा
संविधान सभा	✓ कॅबिनेट मिशन योजना ✓ 1947 च्या कायद्याने बदल ✓ त्याबाबतची महत्त्वाची वक्तव्ये
महत्त्वाच्या तारखा	✓ अंमलबजावणी ✓ संमती

Prediction :

- आयोगाने आतापर्यंत घटना निर्मितीच्या टप्प्यांमधील प्रश्नांमध्ये,
- 1999 चा कायदा, लिनलिथगो घोषणा, कॅबिनेट मिशननुसार जागा वाटप, 1947 च्या कायद्याने झालेला बदल विचारण्यात आलेला आहे. मात्र या प्रक्रियेतील महत्वाचे टप्पे अजूनही विचारले जाणे बाकीचे आहे. ते खालीलप्रमाणे करून घ्यावेत.
- संविधान सभेबाबत भारतीयांकडून करण्यात आलेली मागणी त्यांचा क्रम , महत्वाच्या व्यक्ती यांची विधाने.
- याबाबत ब्रिटिशांनी प्रत्येकवेळी दिलेला प्रतिसाद याचा क्रम.
- 1935 च्या कायद्यामधील तरतुदी व घटना निर्मितीचा संबंध.
- महत्वाच्या व्यक्तींचे त्यामधील Contribution. (घटना निर्मितीच्या टप्प्यातील)
- 1935 नंतरच्या प्रमुख चळवळी, घटना, ब्रिटिश समित्या त्यांचीया शिफारशी.

(1) महत्त्वाच्या घटना

1. अचूक जोड्या लावा. (Combine Pre. Gr. B & C - 2023)

I.	थॉमस हॉब्ज	अ.	अँग्लो– आस्ट्रियन तत्त्वज्ञ
II.	फ्रेडरिक हायेक	ब.	फ्रेंच राज्यक्रांतीचा जनक
III.	राबर्ट नॉझिक	क.	ब्रिटिश तत्त्वज्ञ
IV.	रुसो	ड.	अमेरिकन तत्त्वज्ञ

1) I – ब, II – अ, III – ड, IV – क
2) I – क, II – अ, III – ड, IV – ब
3) I – ड, II – क, III – ब, IV – अ
4) I – ड, II – अ, III–ब, IV – क

स्पष्टीकरण - उत्तर क्र. 2

I.	थॉमस हॉब्ज	ब्रिटिश तत्त्वज्ञ
II.	फ्रेडरिक हायेक	अँग्लो– आस्ट्रियन तत्त्वज्ञ
III.	राबर्ट नॉझिक	अमेरिकन तत्त्वज्ञ
IV.	रुसो	फ्रेंच राज्यक्रांतीचा जनक

2. माँटेग्यू–चेम्सफोर्ड या नावाने ओळखला जाणारा भारतीय घटनात्मक सुधारणाविषयक अहवाल ...... मध्ये. प्रसिद्ध करण्यात आला. (Combine Pre. Gr. B & C - 2023)

1) जून 1918
2) ऑगस्ट 1918
3) जुलै 1918
4) ऑक्टोबर 1918

स्पष्टीकरण - उत्तर क्र. 3

Q. Pattern : आयोगाने माँटेग्यू–चेम्सफोर्डच्या 1919 च्या कायद्याबाबत प्रश्न विचारला आहे, मात्र यामध्ये तो अहवाल/मसुदा प्रसिद्ध करण्याची 'Specific date' आणि ती ही खूप जवळ जवळचे पर्याय दिलेले आहेत. त्यामुळे साधारणपणे आपण अभ्यास करताना, अशा बाबींकडे लक्ष ही देत नाहीत आणि ते वाचनात ही येत नाही.

1.5 सरनामा

आवाका

सरनामा

- ✓ घटनेचा भाग आहे का? महत्त्वाचे खटले.
- ✓ 42 व्या घ.दु.ने झालेले बदल, समाविष्ट शब्द.
- ✓ उद्देशपत्रिकेची वर्णने.
- ✓ वैशिष्ट्ये, महत्त्व.
- ✓ सरनाम्यातील महत्त्वाच्या संकल्पना.
- ✓ सरनाम्याची रचना, क्रम.
- ✓ सरनाम्याबाबतची बंधने.
- ✓ सरनाम्याची ऐतिहासिक पार्श्वभूमी.

Prediction :

- सरनाम्यातील महत्त्वपूर्ण संकल्पना व त्याची मूलभूत हक्क व मार्गदर्शक तत्त्वाबाबतची तुलना समजून घेणे गरजेचे.
- पं. नेहरू यांनी मांडलेली उद्देश पत्रिका व सरनामा यातील साम्य व फरक.
- सरनाम्याबाबत घटना समितीतील सदस्यांची मते.

1 42 वी घटनादुरुस्ती

1. भारताच्या राज्यघटनेच्या सरनाम्यामध्ये कालांतराने काय सम्मिलित झाले? (STI 2015)

a) राष्ट्रीय एकता b) राष्ट्राची अखंडता

पर्यायी उत्तरे

1) केवळ a 2) केवळ b
3) दोन्ही 4) दोन्ही प्रथमपासूनच सम्मिलित होते.

स्पष्टीकरण - उत्तर क्र. 2

- भारताच्या राज्यघटनेच्या सरनाम्यातील **समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष आणि एकात्मता** हे शब्द घटनादुरुस्ती कायदा, 1976 च्या 42 व्या घटनादुरुस्तीनुसार टाकण्यात आले.
- भारताच्या घटनेतील सरनामा पंडित नेहरू यांनी तयार केलेल्या 'उद्देश पत्र' यावर आधारित आहे.
- राष्ट्राची अखंडता (एकात्मता) सरनाम्यात सुरुवातीला नव्हती. (एकता आणि एकात्मता फरक आहे)

2. भारतीय संविधानाच्या उद्देशिकेत शेवटी समाविष्ट केलेले शब्द कोणते? (ASO 2012)

अ) समाजवादी ब) धर्मनिरपेक्ष
क) सार्वभौम ड) लोकशाही
इ) गणराज्य फ) न्याय
ग) स्वातंत्र्य च) समानता
य) बंधुता ज) एकात्मता

1) अ, ब, ज 2) क, ड, फ
3) इ, ग, च 4) अ, ड, य

स्पष्टीकरण - उत्तर क्र. 1

- भारताच्या राज्यघटनेची प्रस्ताविका/सरनामा पंडीत नेहरू यांनी तयार केलेल्या व संविधान सभेत मांडलेल्या 'उद्देश पत्र' यावर आधारित आहे.
- हे उद्देश पत्र **'13 डिसेंबर 1946'** रोजी मांडण्यात येऊन **'22 जानेवारी 1947'** रोजी संविधान सभेने स्वीकृत केले.
- प्रस्ताविकेतील नंतर समाविष्ट करण्यात आलेले **समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष आणि एकात्मता हे** शब्द **'42 वी घटनादुरुस्ती 1976'** नुसार समाविष्ट करण्यात आले.
- आतापर्यंत प्रस्ताविकेमध्ये एकदाच बदल करण्यात आला आहे. **'प्रस्ताविका'** हा घटनेचा भाग असून त्यामध्ये बदल करण्याचा संसदेला अधिकार आहे, या **'केशवानंद भारती'** खटल्यामुळे तो बदल करण्यात आला.

2 वर्णन

1. उद्देशपत्रिकेची खालील वर्णने आणि विद्वान यांची जुळणी करा : (PSI 2014)

अ) राजकीय कुंडली 1) पंडीत ठाकुरदास भार्गव
ब) कल्याणकारी राज्याची अचंबीत करणारी तत्वे 2) एम. व्ही. पायली
क) उत्कृष्ट गद्य – काव्य 3) के. एम. मुन्शी
ड) अशा प्रकारचा केलेला एक सर्वोत्तम मसुदा 4) आचार्य जे. बी. कृपलानी

	अ	ब	क	ड
1)	3	4	1	2
2)	1	2	3	4
3)	2	1	4	3
4)	4	3	2	1

स्पष्टीकरण - उत्तर क्र. 1

- मसुदा समितीचे सदस्य **के. एम. मुन्शी** यांच्या मते, प्रास्ताविका आपल्या सार्वभौम लोकशाही गणराज्याचा 'होरो स्कोप' आहे. तसेच ती **'राजकीय कुंडली'** आहे.
- संविधान सभेचे सदस्य **पंडित ठाकूर दास भार्गव** यांच्या मते, **'प्रास्ताविका'** आपल्या घटनेतील **सर्वात मौल्यवान भाग** आहे. ती घटनेचा **आत्मा** आहे. ती घटनेची **चावी** आहे. ती घटनेच्या मूल्यमापनासाठी **योग्य फूटपट्टी** आहे, **उत्कृष्ट गद्य** काव्य आहे.

उद्देशपत्रिकेविषयीची वर्णने	
नाना पालखीवाला	**'सरनामा'** हे राज्यघटनेचे **ओळखपत्र** आहे.
जे. बी. कृपलानी	कल्याणकारी राज्याची अचंबित करणारी तत्त्वे.
एम. व्ही. पायली	अशाप्रकारचा केलेला सर्वोत्तम मसुदा.
एम. हिदायतुल्ला	सरनामा हा घटनेचा आत्मा असून तो राजकीय समाजाच्या प्रारूपाचे कथन करतो.
सर आर्नेस्ट बार्कर	की नोट
बेरुबारी खटला	घटना कर्त्यांचे मन ओळखण्याची किल्ली

3 वैशिष्ट्ये

1. **भारतीय राज्यघटनेच्या सरनाम्या विषयी खालील विधाने विचारात घ्या : (Combine Pre. Gr. B - 2020)**
   अ. सरनामा हा राज्यघटनेला जे प्रस्थापित आणि प्रचारित करावयाचे आहे ती उद्दिष्टये कथन करतो आणि त्यामधील भाषा जेथे जेथे संदिग्ध असल्याचे आढळते, तेथे तेथे घटनेचा वैधानिक अर्थ निरूपण करण्यास सहाय्य करतो.
   ब. संविधान सभेने ज्याप्रमाणे राज्यघटनेच्या इतर भागास कायदेशीर मान्यता दिली आहे, तशी ती सरनाम्यास दिलेली नाही.
   पर्यायी उत्तरे:
   (1) विधान अ बरोबर (2) विधान ब बरोबर
   (3) दोन्हीही विधाने बरोबर (4) दोन्हीही विधाने चुकीची

स्पष्टीकरण - उत्तर क्र. 1

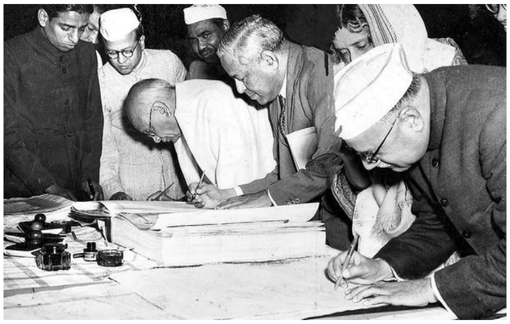

1) राज्यघटनेची उद्देशिका आणि राज्याच्या धोरणाची मार्गदर्शक तत्त्वे न्याय

- आर्थिक न्यायाचे तत्त्व भारतीय राज्यघटनेमध्ये **'सरनामा'** व **'मार्गदर्शक तत्त्वामध्ये'** समाविष्ट करण्यात आले आहे.
- सरनाम्यामध्ये सुरुवातीलाच न्यायाचे तत्त्व सांगितले आहे. त्यामध्ये सामाजिक, आर्थिक व राजकीय न्यायाचे तत्त्व सांगितले आहे.
- **'मार्गदर्शक तत्त्वे'** ही भारतीय घटनेमध्ये भारतीय लोकशाहीने सामाजिक, आर्थिक, लोकशाही प्रस्थापित करण्यासाठी दिलेली आहेत.
- यामध्ये कामगार, महिला यांच्या आर्थिक न्यायाबाबत विशेष तरतुदी दिलेल्या आहेत.

2) राज्यघटनेची उद्देशिका आणि मूलभूत हक्क : स्वातंत्र्य

- स्वातंत्र्य म्हणजे व्यक्तींच्या व्यवहारांवर निर्बंध नसणे आणि त्यांच्याबरोबर प्रत्येकाच्या व्यक्तिमत्व विकासाला संधी देणे होय.
- आपल्या राज्यघटनेच्या सरनाम्यामध्ये सर्व नागरिकांना विचार, अभिव्यक्ती, विश्वास,श्रद्धा व उपासना/पूजा यांच्या स्वातंत्र्याची मुलभूत हक्काद्वारा शाश्वती दिली आहे.
- मुलभूत हक्कावर गदा आल्यास त्यांच्या अंमलबजावणीसाठी न्यायालयाकडे दाद मागता येते.
- अशा प्रकारे मुलभूत हक्कांच्या माध्यमातून हे स्वातंत्र्य आपणास मिळाले आहे.

3) मूलभूत हक्क आणि मार्गदर्शक तत्वे :

- मार्गदर्शक तत्वे यामध्ये भारतीय घटनेचे तत्वज्ञान सामावलेले आहे व हा राज्यघटनेचा आत्मा आहे.
- मार्गदर्शक तत्वे व मुलभूत हक्क ही **'राज्यघटनेची सद्सद्विवेकबुद्धी'** आहेत. असे **'ग्रॅनव्हिल ऑस्टिन'** यांनी म्हटले आहे.

Reading between the line :

आपण बऱ्याच Facts वाचत असतो, मात्र त्या वाचताना व्यवस्थित लक्षपूर्वक, परिक्षाभिमुख वाचतो का? यावर आपले यश अवलंबून असते.

PART

2

अर्थशास्त्र

विभाग

1 नियोजन (Planning)/ इतर योजना

1.1 राष्ट्रीय उत्पन्न समिती

आवाका

भारतीय नियोजन

- **पार्श्वभूमी**
  - राष्ट्रीय उत्पन्न समिती
  - नियोजन आयोग
  - नीती आयोग
- **मूलभूत तत्त्वे**
  - स्वातंत्र्यानंतर वृद्धीकरिताचे साधन
  - नियोजन काळातील कल
  - आर्थिक उद्दिष्ट्ये
- **पंचवार्षिक योजना**
  - नियोजनाची प्रतिमाने
  - कालावधी
  - उद्दिष्ट्ये
  - वृद्धी दर
  - (कालावधी, उद्दिष्ट्ये, वृद्धी दर – एकत्रित)
- **पहिली योजना**
  - कालावधी
  - प्रकल्प
  - प्रतिमान
- **दुसरी योजना**
  - महालनोबीस प्रतिमान
- **चौथी योजना**
  - महत्त्वाच्या घटना
- **नववी योजना**
  - सेवा क्षेत्राचा वृद्धीदर जास्त असण्याचे कारण.
- **11 वी योजना**
  - महत्त्वाच्या कृषी योजना.
  - उद्दिष्ट्ये : जलद सर्वसमावेशी
  - Targets - GDP /इतर
  - प्रमुख उद्दिष्ट
- **12 वी योजना**
  - मुख्य लक्ष
  - नियोजन आयोगाचे अध्यक्ष
  - कालावधी, कृषी, उद्योग, सेवा दर
- **क्षेत्रांचा GDP मधील वाटा/दर**
  - 1950-2010 प्राथमिक क्षेत्राचा वाटा
  - 1981-2012 मधील GDP वाटा
  - GDP सर्वाधिक दर : 2006-07

1. पुढीलपैकी कोणते विधान योग्य आहे? (STI 2015)

अ) स्वातंत्र्यानंतर भारत सरकारने राष्ट्रीय उत्पन्न समिती ऑगस्ट 1948 मध्ये नेमली.

ब) प्रोफेसर डी. आर. गाडगीळ हे तिचे अध्यक्ष होते.

पर्यायी उत्तरे :

1) केवळ अ 2) केवळ ब

3) अ आणि ब दोन्ही योग्य 4) अ व ब दोन्ही अयोग्य

स्पष्टीकरण - उत्तर क्र. 4

राष्ट्रीय उत्पन्न समिती

राष्ट्रीय उत्पन्न समिती :

- **स्थापना :** 4 ऑगस्ट 1949
- **अध्यक्ष :** प्रो. पी. सी. महालनोबिस
- **सदस्य :** 1) प्रो. डी. आर. गाडगीळ,
  2) डॉ. व्ही. के. आर. व्ही. राव
- **पाहणी :** 1950-51 मध्ये केली
- **अंतिम अहवाल :** 1954

निष्कर्ष

1. या समितीने राष्ट्रीय उत्पन्न मोजण्याची **'निव्वळ उत्पादन पद्धत'** आणि **'निव्वळ उत्पन्न पद्धत'** सुचविली.
2. 1950-51 मध्ये राष्ट्रीय उत्पन्नात कृषी व संलग्न क्षेत्राचा वाटा **निम्म्याच्या जवळपास** आहे.

3. खाणकाम उत्पादन व हस्त व्यवसायाचा वाटा 1/6 पर्यंत आहे.
4. वाहतूक व दळण वळण, वाणिज्याचा वाटा 1/6 पेक्षा थोडा जास्त आहे.
5. सेवा क्षेत्राचा साधारण : **1/3 वाटा** आहे.
6. निव्वळ देशांतर्गत उत्पन्नात शासकीय क्षेत्राचा वाटा 7.6 % पर्यंत आहे.
7. या समितीने भारताचे **राष्ट्रीय उत्पन्न 8650 कोटी रू.** व दरडोई **उत्पन्न 246.90** रूपये असण्याचा अंदाज मांडला.

Q. Pattern :

- आयोगाने प्रश्नांमध्ये **ऑगस्ट 1948** दिले आहे, परंतु ते **ऑगस्ट 1949** आहे. विद्यार्थ्यांनी याकडे लक्ष देण्याची गरज आहे. दुसऱ्या पर्यायामध्ये जे सदस्य आहेत, त्यांच्यासाठी त्यांना अध्यक्ष म्हणून वाक्य केले आहे. यापुढे प्रो. डी. आर. गाडगीळ की व्ही. आर. गाडगीळ वा अन्य प्रसिद्ध गाडगीळ आडनावाची व्यक्ती देऊन चुकवू शकतात. त्यामुळे विद्यार्थ्यांनी प्रश्नांच्या सर्व बाबींवर अचूक लक्ष देणे गरजेचे आहे.

Prediction :

- आपण नेहमी माहिती वा facts वाचत असतो. मात्र परिक्षाभिमुख वाचन (exam oriented reading) करित नसतो.

  उदा. आपणाला वरील प्रश्नांमध्ये माहिती दिली आहे. मात्र दिलेल्या माहितीमधील imp facts कोणत्या?
- आयोग यापुढे कोणत्या बाबी, कशाप्रकारे विचारू शकतो. याचा विचार करायला हवा. यामध्ये जर आयोगाने निष्कर्षाबाबत विचारले तर ते खालीलप्रमाणे व त्याच बाबींवर विचारू शकतो.

  उदा. **योग्य विधाने ओळखा.** (राष्ट्रीय उत्पन्न समितीने काढलेल्या निष्कर्षाबाबत)

  (अ) 1950-51 मध्ये कृषी व संलग्न क्षेत्राचा वाटा दोन तृतीयांश होता.

  (ब) 1950-51 मध्ये सेवा क्षेत्राचा वाटा एक तृतीयांश होता.

  (क) या कालावधीत दरडोई उत्पन्न 299 रु. होते.
- वरील विधाने व्यवस्थित वाचा. या ठिकाणी काही facts आहेत. **आयोगाने राष्ट्रीय उत्पन्न देताना 246.90 (पॉईंटमध्ये) दिल्यास ते बहुधा योग्य असते.** तसेच दोन्ही विधाने (अ, ब) मिळून 100% होते तर त्यापैकी एक चुकीचे हे समजले पाहिजे. त्याप्रमाणे पर्याय दिलेले असतात. त्यामुळे फक्त facts ऐवजी आयोगाचा कल समजून घेतला पाहिजे.

2. भारत सरकार द्वारा प्रा.पी.सी. महालनोबीस यांच्या अध्यक्षतेखाली राष्ट्रीय उत्पन्न समितीचे गठण कोणत्या वर्षी करण्यात आले? **(PSI 2014)**

1) 1951 2) 1949
3) 1948 4) 1956

स्पष्टीकरण - उत्तर क्र. 2

(प्र.क्र. 1 चे स्पष्टीकरण पाहणे)

IMP :

- 2014 च्या PSI मध्ये फक्त राष्ट्रीय उत्पन्न समितीची स्थापना विचारली होती, त्यानंतर 2015 च्या STI मध्ये त्याची वाक्ये बनवण्यात आली.
- याचाच अर्थ विद्यार्थ्यांनी एखादा घटक परिपूर्ण करण्याकडे लक्ष द्यावे, त्याच्याशी संबंधित अधिक बाबींची परिक्षाभिमुख माहिती करून घ्यावी.

मोजणी वर्ष	तज्ज्ञ	राष्ट्रीय उत्पन्न (कोटी रुपये)	दरडोई उत्पन्न (रुपये)
1867-68	दादाभाई नौरोजी	340	20
1913-14	वाडिया व जोशी	1067	44.30
1931-32	V. K. R. V. राव	1689	62
1948-49	राष्ट्रीय उत्पन्न समिती	8650	246.90

- व्ही. के. आर. व्ही. राव यांनी 1925 ते 29 या कालावधीसाठी राष्ट्रीय उत्पन्न 2301 कोटी रु. तर दरदोई उत्पन्न 76/- सांगितले. (1931-32 मध्ये 1689 कोटी व 62 रु.)
- सर्वप्रथम वैज्ञानिक पद्धतीने राष्ट्रीय उत्पन्नाची गणना केली. त्यामुळे त्यांना **'राष्ट्रीय लेखा प्रणाली'**चे **जनक** मानतात.

Prediction :

- राष्ट्रीय उत्पन्नाशी संबंधी सर्व संकल्पना समजून घेणे गरजेचे आहे.

राष्ट्रीय उत्पन्न मोजण्याच्या 3 पद्धती		
उत्पन्न पद्धत Income Method	उत्पादन पद्धत Product Method	खर्च पद्धत Expenditure Method

PART 3

इतिहास

विभाग

1 आदिवासी व शेतकरी उठाव

1.1 आदिवासी व शेतकरी उठाव

1 आदिवासी भिल्लांचा उठाव

आवाका

घटक — भिल्ल, रामोशी, कोळी, संथाळांच्या उठावाचा समावेश

Q. Pattern :

- आयोगाचा प्रश्न विचारण्याचा कल मुख्यत: factual आहे. यामध्ये उठावाचे वर्ष, नेतृत्त्व, ठिकाण, कारण व परिणाम या 5 घटकांभोवतीच फिरते याशिवाय महत्वाच्या लढाया व ब्रिटिशांचा सहभाग/ प्रतिकार यावर ही प्रश्न विचारण्यात आला आहे

Prediction :

- इतर महत्वपूर्ण घटक व महाराष्ट्रातील महत्त्वाचे उठाव याबाबत इत्यभूंत माहिती असणे गरजेचे आहे.

1. आदीवासी शेतकऱ्यांच्या क्रांतीचा पहिला नायक कोण होता?

(Combine Pre. Gr. B - 2021)

अ. बाबा भांड ब. बिजनिया

क. कजर सिंग ड. तंट्या भिल्ल

वरीलपैकी कोणते विधान/विधाने बरोबर आहे/आहेत?

(1) फक्त अ आणि ब (2) फक्त क आणि ड

(3) फक्त ब (4) फक्त ड

स्पष्टीकरण - उत्तर क्र. 4

- **'तंट्या भिल्ल'** यांचा जन्म सध्याच्या छत्तीसगढमधील 'बदादा' गावातील.
- त्यांचे शिक्षण झालेले नव्हते, मात्र तात्या टोपे यांच्या लोकजागरण कार्यक्रमातून त्यांना स्वातंत्र्यसेनानी कसे इंग्रजांचा विरोध करीत आहेत, हे समजले होते.
- त्यांचे खरे नाव **'रंड्रा भिल्ल'** होते. ते क्रांतिकारकांच्या कथा ऐकून तसे साहस प्रकार जंगलात करायचे.
- त्यांचे युद्ध कौशल्य बघून **तात्या टोपे यांनी त्यांना गनिमी काव्याचे प्रशिक्षण दिले.** नेमबाजीमध्ये त्यांना निपुण केले.
- त्यांनी इंग्रजांना 1857 ते 1889 या काळात गोरीला युद्धाने जेरीस आणले.
- त्यांनी इंग्रजांना लुटून ते गोरगरिबांना संपत्ती वाटत असत. लोकांचा त्यांना मोठा पाठिंबा होता.
- लोक त्यांना आदराने **'मामा'** म्हणत. त्यांनी या काळात एवढी दहशत निर्माण केली होती की, पोलीसांना **'तंटा चौकी'** उभ्या कराव्या लागल्या.
- त्यांना पकडण्यासाठी विविध बक्षिसे जाहीर केली. (10500रु. व 2500 एकर जमीन).
- मात्र त्यांचाच भाऊजी 'गणपत' या व्यक्तीने आमिषाला बळी पडून संपूर्ण माहिती दिली. आणि त्यांना पकडले.
- यांच्या अटकेची बातमी न्यूयॉर्क टाम्सने छापली, ज्यामध्ये **'भारताचा रॉबिनहूड'** उल्लेख करण्यात आला.
- यांच्यावर राजद्रोहाचा आरोप ठेवून जबलपूर जिल्हा सत्र न्यायालयाने त्यांना फाशीची शिक्षा सुनावली.
- त्यांना **4 डिसेंबर 1889 रोजी फाशी देण्यात आली.** फाशीनंतर त्यांचा देह पाताळपाणी रेल्वेस्थानकावर टाकून देण्यात आला होता.
- याच ठिकाणी त्यांची समाधी बनवण्यात आली व आता या रेल्वे स्थानकाला त्यांचे नाव देण्यात आले आहे.
- **'मध्यप्रदेशचे नायक'** म्हणून ओळखले जाणारे तंट्या भिल्ल यांच्यावर 2012 मध्ये चित्रपट बनवण्यात आला.

2 1857 चा उठाव

2.1 1857 चा उठाव

आवाका

1857 चा उठाव

- **स्वरुप**
  - विविध मते
- **कारणे :**
  - डलहौसी धोरण/ विविध कारणे
  - तत्कालीन कारण
- **वैशिष्ट्ये :**
  - महत्वाचे इंग्रज अधिकार
  - हिंदू-मुस्लिम ऐक्य
  - सहभागी/तठस्थ संस्थाने
- **संबंधित व्यक्ती :**
  - रंगोजी बापूजी गुप्ते
- **1857 मध्ये महाराष्ट्र**
  - भोर, नागपूर, कोल्हापूर
  - भिल्ल नेते
  - कोळी - पेठचा उठाव
- **1857 च्या उठावाचे परिणाम :**

Q. Pattern :

- संपूर्णत: Factual वर आधारित. मात्र काही general बाबी लक्षात घेणे आवश्यक. याचे तक्ते करून Revision करणे फायद्याचे.
- Prediction : महाराष्ट्राचा सहभाग जास्त detail मध्ये विचारली जाण्याची शक्यता, थोडी detailed study आवश्यक.

1 स्वरुप

1. नागरी उठावांची सुरुवात खालीलपैकी कोणत्या प्रदेशांतून झाली ? (Combine Pre. Gr. B - 2021)
(1) पंजाब आणि सिंध (2) महाराष्ट्र आणि कर्नाटक
(3) आंध्र प्रदेश आणि ओरिसा (4) बंगाल आणि बिहार

स्पष्टीकरण - उत्तर क्र. 4

Q. Pattern :

- हा प्रश्न General thinking वर आधारित आहे. ब्रिटिशांनी प्रथम बंगाल काबीज केला.
- त्या ठिकाणी प्लासी, बक्सारची लढाई होऊन कब्जा मिळवला.
- त्यांची आर्थिक नीती व दडपशाही त्याच भागात वाढली. त्यामुळे या भागापासूनच नागरी उठावाची श्रृंखला सुरु झाली.
- दिलेल्या पर्यायांचे व्यवस्थित निरिक्षण केल्यास, पर्याय 2, 3 संयुक्तिक वाटत नाहीत.

2. खालील जोड्या जुळवा (STI 2016)

	(अ)		(ब)
a)	साम्राज्यवादी विचारसरणी	i)	वॅलेंटाईन चिरॉल
b)	केंब्रिज विचारसरणी	ii)	अनिल सिअल
c)	राष्ट्रवादी विचारसरणी	iii)	आर. सी. मुजुमदार
d)	साम्यवादी विचारसरणी	iv)	आर. पी. दत्त

	a	b	c	d
1)	ii	i	iv	iii
2)	iv	iii	ii	i
3)	i	ii	iii	iv
4)	iii	iv	i	ii

स्पष्टीकरण - उत्तर क्र. 3

Elimination Method :

- c = iii किंवा d = iv या कोणत्याही एका पर्यायावरून याचे उत्तर काढता येते.
- साम्राज्यवादी विचारसरणी. → वॅलेंटाईन चिरोल
- केंब्रिज विचारसरणी → अनिल सिअल
- राष्ट्रवादी विचारसरणी → आर. सी. मुजुमदार
- साम्यवादी विचारसरणी → आर. पी. दत्त

वॅलेंटाईन चिरोल (साम्राज्यवादी विचारसरणी) :

- त्यांनी Indian Unrest हे पुस्तक लिहिले. त्यांनी लोकमान्य टिळकांचा उल्लेख **भारतीय असंतोषाचे जनक** असा केला.
- त्यामुळे टिळकांनी त्यांच्याविरूद्ध मानहानीचा खटला दाखल केला. परंतु तो खटला टिळक हरले.

आर.सी. मुजुमदार (राष्ट्रवादी विचारसरणी) :

- इतिहासकार होते, त्यांनी आपल्या **'सिपॉय म्युटिनी अ‍ॅन्ड द रिवोल्ट ऑफ 1857'** मध्ये त्यांनी 1857 चा उठाव स्वातंत्र्य संग्राम नव्हता असा उल्लेख केला आहे.

आर.सी. दत्त (रोमेशचंद्र दत्त), आय.सी.एस. :

- यांनी **'इकॉनॉमिक हिस्ट्री ऑफ इंडिया'** हे पुस्तक लिहिले. त्यामध्ये त्यांनी ब्रिटिश कोणत्या मार्गांनी भारतीयांचे आर्थिक शोषण करीत ते दाखवून दिले.
- ते साम्यवादी विचारसरणीचे होते.

उठावाच्या स्वरूपाबाबत मते

शिपायाचे बंड	**न. र. फाटक** – शिपायांची भाऊगर्दी
	जॉन लॉरेन्स – शिपायांचे बंड **(कारणीभूत काडतुसे).**
	कॅम्पबेल – बंगाल आर्मीतील हिंदू शिपायांचे बंड कामगारांनी संप-करावा तसा लष्करी संपाचा प्रकार.
	रॉबर्टस् – स्वार्थी उद्दिष्ट असलेले लोक बंडात सामील झाले.
स्वातंत्र्य युद्ध	**सावरकर** – यांनी 1907 ला इंग्लंडमध्ये '1857 चे स्वातंत्र्यसमर' हा ग्रंथ लिहून 1857 च्या घटनेला प्रथम **'राष्ट्रीय स्वातंत्र्यसंग्राम'** म्हटले आहे.
	नेहरू – लोकयुद्धाचे व राष्ट्रीय युद्धाचे स्थान.
	डिझरायली – काडतूसासारख्या क्षुल्लक कारणांमुळे अशा महान क्रांतीचा जन्म होऊ शकत नाही.
	अशोक मेहता – 'द ग्रेट रिबेलियन' – 1857 चे बंड हे शिपायांच्या बंडाहून अधिक काही होते. 'ऱ्हासास जाणाऱ्या शक्तींना वाट मोकळी करू देणाऱ्या सामाजिक ज्वालामुखीचा तो स्फोट होता.'
वांशिक संघर्ष	1857 च्या घटनेकडे वंशिक दृष्टिकोनातून पाहणाऱ्या **जे. जी. मिडले** सारख्या इतिहासकारांना ही घटना म्हणजे गोऱ्या विरुद्ध काळ्यांचा संघर्ष वाटला.
	टी. आर. होल्म्स – सुस्कृंतपणा व रानटीपणा यातील झगडा.
	जस्टीन मेकार्थी/टेलर – हिंदू व मुस्लीम यांनी इंग्रज सत्तेविरूद्ध केलेला कट.
संमिश्र कारणे	**आर. सी. मुजूमदार** यांच्या मते उठावाचे राष्ट्रीय महत्त्व अप्रत्यक्ष व नंतर दिसून आले. त्यांच्या मते – 'जिवंत असलेल्यापेक्षा मृत ज्युलियस सीझर अधिक शक्तिशाली होता. उठावातील सैनिक देशप्रेमाने भारलेले होते. तसेच हा स्वातंत्र्य संग्रामही नव्हता. भिन्न ठिकाणी भिन्न रूपाचा उठाव होता.
	एस. एन. सेन : 1) यात संशय नाही की, एका परकीय सरकारला नष्ट करण्याचा उठाववाल्यांचा उद्देश होता. त्यांना पुन्हा पूर्वीचीच व्यवस्था हवी होती. 'एखाद्या उठावात बरेच लोक सहभागी झाले तर त्याचे स्वरूप राष्ट्रीय होते.'
	2) दुर्दैवाने भारतात जास्त लोक निष्पक्ष व तटस्थ राहिले, त्यामुळे 1857 ला राष्ट्रीय म्हणणे कठीण आहे.

2 कारणे

1. इ.स. 1857 च्या उठावाचे तात्कालिक कारण होते ....

(PSI 2012)

1) गाईची व डुक्कराची चरबी लावलेल्या काडतुसांचा उपयोग
2) अनेक संस्थाने खालसा करणे
3) ख्रिश्चन धर्म प्रसार करणे
4) पदव्या, वतने आणि पेन्शन रद्द करणे

स्पष्टीकरण - उत्तर क्र. 1

तात्कालिक कारण	हिंदी सैनिकांच्या हाती पूर्वीच्या ब्रेसब्राउन बंदुकीच्या जागी **'इन्फिल्ड रायफली'** दिल्या व नवी काडतुसे दिली. काडतुसांना गायी व डुकराची चरबी होती जी हिंदू व मुस्लीम सैनिकांना धार्मिक प्रथेप्रमाणे निशिद्ध होती.

PART
4

भूगोल
विभाग

1 भारताचा भूगोल

1 भारतीय प्रमाणवेळ

1. सौराष्ट्र व अरुणाचल प्रदेश यातील स्थानिक वेळेत किती तासांचा फरक आहे? (Combined 2017)

1) 3 तास 2) 2 तास
3) 1 तास 4) 4 तास

स्पष्टीकरण - उत्तर क्र. 2

- रेखावृत्तामुळे एखाद्या ठिकाणाच्या वेळेबाबत अंदाज केला जाऊ शकतो, म्हणून एखाद्या ठिकाणाची वेळ ठरविण्यासाठी पृथ्वीची दैनिक गती व रेखावृत्ते यांचा उपयोग होतो.
- भारतातील सौराष्ट्र व अरुणाचल प्रदेश यांच्या स्थानिक वेळेत 2 तासांचा फरक पडतो.
- **कारण भारताच्या रेखावृत्तामध्ये (68^0 ते 97^0) 29.5 चा फरक आहे. 1 रेखावृत्त ओलांडण्यासाठी 4 मिनिटे लागतात. त्यामुळे 29.5 × 4 = 118 मिनिटे.**
- पृथ्वीची परिवलनाची दिशा पश्चिमेकडून पूर्वेकडे आहे. त्यामुळे परिवलनादरम्यान पश्चिमेकडील रेखावृत्ते क्रमाने सुर्यासमोर येतात तर पुर्वेकडील रेखावृत्ते अंधारात जातात.
- **पृथ्वीचे परिवलन :** रोटेशन : पृथ्वीच्या परिवलनामध्ये प्रत्येक ठिकाण 24 तासामध्ये 40000 कि.मी. वेगाने फिरते. ध्रुवावर हा वेग शून्य असतो.

2. पहाटे 3.00 वाजता लंडन येथून प्रसारीत होणारी बातमी अलाहाबाद (82° 30′ पूर्व रेखावृत्त) येथे किती वाजता ऐकायला येईल? (PSI 2013)

1) रात्री 8.30 वाजता 2) सकाळी 9.30 वाजता
3) सकाळी 7.30 वाजता 4) सकाळी 8.30 वाजता

स्पष्टीकरण - उत्तर क्र. 4

- पृथ्वीला रेखावृत्त व अक्षवृत्त या काल्पनिक रेषांनी विभागले आहे.
- रेखावृत्तामुळे निश्चित स्थान व स्थानिक वेळ समजण्यास मदत होते.
- 0° रेखावृत्ताला **'प्रमाण रेखावृत्त'** म्हणतात ते ग्रीनीच (इंग्लड) शहराजवळून गेले आहे.
- इतर देशाची स्थानिक वेळ **'0' रेखावृत्ताची वेळ प्रमाण मानुन निश्चित करतात'**
- भारताची प्रमाणवेळ 82 1/2 (80° 30′) पूर्व या रेखावृत्तांवर निश्चित करण्यात आलेली आहे. कारण हे रेखावृत्त भारताच्या मध्यातून जाते. (मिर्झापूर, अलाहाबाद – उत्तर प्रदेश)
- ग्रीनीच शहरापेक्षा **भारताची स्थानिक वेळ 5 तास 30 मिनिटांनी** पुढे आहे.
- पृथ्वी 24 तासात 360° फिरते. (म्हणजेच 360 रेखावृत्ते ओलाडंते)

  24 तास = 360°
  1 तास = $360^\circ/24$
  = 15 रेखावृत्ते
- 1 रेखावृत्ते = 4 मिनिटे
- म्हणजेच पृथ्वीला एक रेखावृत्त ओलांडण्यास 4 मिनिटाचा कालावधी लागतो.
  - ➢ $82^\circ 30'$ पूर्व रेखावृत्त = 82.5 × 4
  - ➢ (भारताचे प्रमाण रेखावृत्त) = 330 मिनिटे (5 तास 30 मिनिटे).
  - ➢ लंडन येथे 3 वाजले असताना भारतात 3 + 5.30 → 8.30 वाजले असतील.

3. भारतीय प्रमाणवेळ कोणत्या रेखावृत्तावर निश्चित केली गेली आहे? (PSI 2012)

1) 82° 30′ पश्चिम 2) 28° 30′ पूर्व
3) 82° 30′ पूर्व 4) 82° 30′ उत्तर

स्पष्टीकरण - उत्तर क्र. 3

भारतीय प्रमाणवेळ रेखावृत्त

- भारताची प्रमाणवेळ ही $82\frac{1}{2}$ पूर्व रेखावृत्तावर निश्चित करण्यात आली आहे.

4 नद्या

भारत
प्रमुख नद्या व सरोवरे
उ.
० २०० ४०० ६००
किलोमीटर
गिलगिट
श्योक
वुलर सरोवर
सिंधु
झेलम
चिनाब
रावी
बियास
सतलज
घग्गर
राक्षस सरोवर
मान सरोवर
यम्नोत्री
गंगोत्री
त्सांग पो
दिहांग
सुबानसिरी
मानस
तिस्ता
ब्रम्हपुत्रा
सुरमा
यमुना
गंगा
गोमती
शारदा
घागरा
गंडकी
कोसी
सांभर सरोवर
लुनी
चंबळ
सिंद
बेटवा
केन
भा र त
शोण
हुगळी
दामोदर
अमरकंटक
साबरमती
कच्छचे आखात
मही
नर्मदा
मुल्ताई
वैनगंगा
महानदी
सुवर्णरेखा
ब्राम्हणी
तापी
खंबातचे आखात
त्र्यंबकेश्वर
वर्धा
लोणार सरोवर
गोदावरी
प्राणहिता
इंद्रावती
चिल्का सरोवर
भीमाशंकर
महाबळेश्वर
मांजरा
शबरी
भीमा
कृष्णा
कोल्लेरू सरोवर
अ र बी स मु द्र
बं गा ल चा उ प सा ग र
तुंगभद्रा
पेन्नार
सूची
नदी
उगमस्थान
ब्रम्हगिरी
पुलिकत सरोवर
अंदमान आणि निकोबार बेटे
(भारत)
कावेरी
लक्षद्वीप
(भारत)
पेरियार
वेंबनाड सरोवर
हिं दी म हा सा ग र

4.1 प्रकल्प

1. गुजरात राज्यातील 'उकाई' हा बहुउद्देशीय प्रकल्प कोणत्या नदीवर वसलेला आहे? (Combine Pre. Gr. B - 2022)
(1) साबरमती (2) तापी
(3) माही (4) नर्मदा

स्पष्टीकरण - उत्तर क्र. 2

प्रकल्पाचे नाव	नदी	राज्य	समाविष्ठ राज्य
नर्मदा खोरे प्रकल्प	नर्मदा	मध्यप्रदेश	गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान
कोसी प्रकल्प	कोसी	बिहार	बिहार राज्य व नेपाळ मध्ये
बियास प्रकल्प	बियास	हिमाचल प्रदेश	पंजाब, हरियाणा, राजस्थान
नागार्जुन सागर प्रकल्प	कृष्णा	आंध्र प्रदेश	आंध्र प्रदेश, तेलंगणा
गंडक प्रकल्प	गंडक	बिहार	बिहार, उत्तर प्रदेश व नेपाळ
तिहरी प्रकल्प	भगीरथी + भिलांगना	उत्तराखंड	उत्तराखंड
तुंगभद्रा प्रकल्प	तुंगभद्रा	कर्नाटक	आंध्र प्रदेश, तेलंगणा व कर्नाटक
चंबल खोरे प्रकल्प	चंबळ	मध्यप्रदेश	राजस्थान व मध्य प्रदेश
रिहांद प्रकल्प	रिहांद	उत्तर प्रदेश	उत्तर प्रदेश
हिराकूड प्रकल्प	महानदी	ओडिसा	ओडिसा
दामोदर खोरे प्रकल्प	दामोदर	झारखंड	झारखंड व पश्चिम बंगाल
भाक्रा	सतलज	पंजाब	पंजाब, हरियाणा, राजस्थान

सिंधुनदी व तिच्या उपनद्यांवर स्थित महत्त्वाचे प्रकल्प-

क्र.	प्रकल्पाचे नाव	नदी	राज्य
1	भांक्रा नानगल (गोविंद सागर)	सतलज	हिमाचल प्रदेश व पंजाब
2	इंदिरा गांधी (राजस्थान कालवा)	बियास–सतलज संगम	राजस्थान
3	पोंग (महाराणा प्रताप सागर)	बियास	हिमाचल प्रदेश
4	सलाल (जलविद्युत प्रकल्प)	चिनाब	जम्मू आणि काश्मीर
5	थेन (रणजीत सागर)	रावी	पंजाब
6	उरी	झेलम नदी	जम्मू आणि काश्मीर
7	नाथप्पा–झाक्री	सतलज	हिमाचल प्रदेश
8	चमेरा (चमेरा सरोवर)	रावी	हिमाचल प्रदेश
9	बागली हार	चिनाब	जम्मू आणि काश्मीर
10	दलहस्ती	चिनाब	जम्मू आणि काश्मीर
11	तुलबुल (वुलर जलाशय)	झेलम	जम्मू आणि काश्मीर

2. भारत आणि पाकिस्तान यांच्यातील सिंधू पाणी करार 1960 नुसार खालीलपैकी कोणत्या नद्यांच्या पाण्यावर भारतास पूर्ण अधिकार आहे ? (Combine Pre. Gr. B - 2020)
1) सिंधू, चिनाब व झेलम 2) रावी, बियास व सतलज
3) झेलम, सतलज व चिनाब 4) चिनाब, बियास व झेलम

स्पष्टीकरण - उत्तर क्र. 2

सिंधु नदी पाणी वाटप करार

- सिंधु नदीचे खोरे प्रामुख्याने भारत आणि पाकिस्तान'मध्ये विभागले असून चीन आणि अफगानिस्तान यांचाही थोडा वाटा आहे.
- 1960 मध्ये भारत आणि पाकिस्तान या दोन देशांमध्ये सिंधु नदी पाणी वाटप करार झाला. त्यासाठी मध्यस्थी जागतिक बँकेने केली.
- या करारानुसार 'सिंधु, झेलम', चिनाब, या नद्यांचे पाणी पाकिस्तानला तर रावी, बियास, सतलज यांचे पाणी भारताला देण्यात आले.

2.4 भौगोलिक रचना

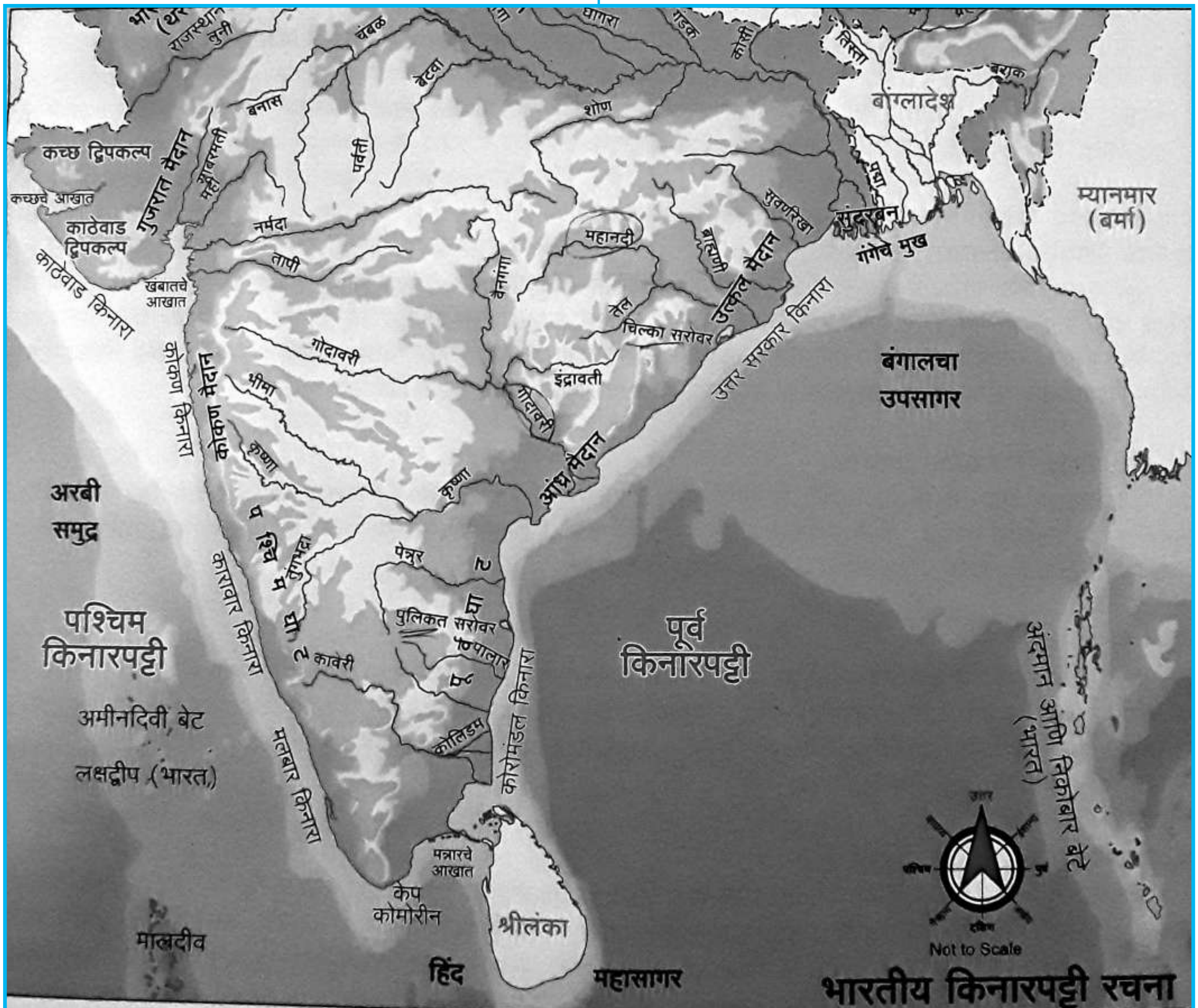

1 पठार

1. दख्खन पठाराची उंची .... मीटरच्या दरम्यान आहे. (ASO 2015)

1) 200-300 2) 300-900
3) 100-300 4) 500-700

स्पष्टीकरण - प्रश्न रद्द

दख्खन पठार

- या पठाराची उंची **साधारणत: 2000 फूट (600 मी) पर्यंत आहे.** याचा उतार पूर्वेकडे (आग्नेयकडे) आहे.
- त्यामुळे या पठारावर पूर्ववाहिनी नद्या मोठ्या प्रमाणात आहेत. या पठाराची निर्मिती 60 ते 68 दशलक्ष वर्षापूर्वी झाली असावी.
- याची उत्तर सीमा – सातपुडा महादेव – मैकल पर्वतरांगा मिळुन बनली आहे.
- यामध्ये महाराष्ट्र पठार, कर्नाटक – तेलंगना पठार यांचा समावेश होतो.
- मेघालय पठार व त्याच्याशी संबंधीत डोंगर हे दख्खनच्या पठाराचेच भाग आहेत मात्र सुंदरबन प्रदेश व गंगेच्या मुखाकडील प्रदेशामुळे हा भाग वेगळा झाला आहे.
- दख्खनच्या पठाराच्या वायव्य भागात महाराष्ट्र पठार आहे. यालाच डेक्कन ट्रॅप म्हणून ओळखतात.

PART
5

सा. विज्ञान

विभाग

1

भौतिकशास्त्र

1.1 राशी आणि राशीचे मापन

1. व्हर्नियर कैवारच्या व्हर्नियर स्केल वर 25 खुणा असून मुख्य मापनपट्टीवरील लघुत्तम अंतर 1 मी.मी. आहे म्हणून व्हर्नियर कैवारचे लघुत्तम माप किती मी.मी. येईल? (PSI 2012)

1) 0.25 2) 0.04

3) 2.5 4) 1.25

स्पष्टीकरण - उत्तर क्र. 2

- $\frac{1}{25}$ व्हर्नियर कैवारच्या व्हर्नियर स्केलच्या साहाय्याने लघुत्तम माप मी.मी.मध्ये
- $\frac{100}{25} = 0.04$mm हे माप वैज्ञानिकदृष्ट्या अचूक मानले जाते.

भौतिक राशी

- **पायाभूत एकके (Fundamental Units)**
  - स्वत:चे स्वतंत्र अस्तित्व
  - SI पद्धतीत 7 एकके
    1. **लांबी :** मीटर (m)
    2. **वस्तुमान :** किलोग्रॅम (kg)
    3. **काळ :** सेकंद (s)
    4. **विद्युतप्रवाह :** ॲम्पीयर (A)
    5. **तापमान :** केल्विन (k)
    6. **पदार्थाचे परिमाण :** मोल (mol)
    7. **प्रकाशाची तीव्रता :** कँडेला (cd)
- **साधित एकके (Derived Units)**
  - दोन किंवा अधिक मूलभूत एककांपासून तयार.
  - वेग = लांबी × काळ

लांबीचे मापन करण्यासाठी खालील पद्धती/उपकरणे वापरतात.

1. मीटर पद्धती :

- **10^{-3}m ते 10^{2}m :** दरम्यानचे अंतर काढण्यासाठी 1mm – 100m पर्यंत (mm मिलीमीटर)

2. व्हर्नियर कैवार :

- 10^{-4}m (0.1mm) पर्यंतचे मापनासाठी याचा last count हा 0.1mm असतो. म्हणजेच 1mm ते 0.1mm पर्यंतचे मोजमाप व्हर्नियरने. याच्या स्केलवर 25 खुणा असतात.

3. स्क्रूमापी वा स्फीरोमीटर :

- 10^{-5}m (0.01mm) इतक्या छोट्या अंतराचे मोजमाप.

4. इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शक/प्रकाशित सूक्ष्मदर्शक :

- अत्यंत सूक्ष्म मोजमाप उदा. रेणू 10^{-8}m/10^{-10}m

पॅरॅलॅक्स पद्धत :

- पृथ्वीपासून इतर ग्रहे, तारे यांची अंतरे मोजण्यासाठी या पद्धतीचा वापर केला जातो.

प्रकाशिय सूक्ष्मदर्शक :

- 400nm ते 700nm (नॅनोमीटर) या मर्यादेत. (1 नॅनोमीटर म्हणजे 10^{-9}m) त्यापेक्षा लहान आकाराचे मापन करण्यासाठी इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शक वापरले जाते.

1.2 चाल, वेग आणि विस्थापन

1. एका 257g वजनाच्या चेंडुचा वेग 257 m/s असेल तर त्याची तरंगलांबी ___________ m इतकी असते. दिले गेले आहे : $h = 6.626 \times 10^{-34}$ J/s (गट–क पूर्व 2018)

(1) 10^{-35} (2) 10^{-32}

(3) 10^{-38} (4) वरीलपैकी कोणतेही नाही

स्पष्टीकरण - उत्तर क्र. 1

3 प्राणीशास्त्र

1 वर्गीकरण

1. **साधारणपणे पोरिफेरामध्ये गेमेट कशामुळे तयार होतात ?**

(Combine Pre. Gr. B & C - 2023)

1) कोयानोसाईट्स   2) आर्किओसाईट्स
3) मायोसाईट्स   4) पिनाकोसाईट्स

स्पष्टीकरण - उत्तर क्र. 2

पोरिफेरा संघ :

- सर्वप्रकारचे स्पज
- असममित, प्रचलन न करणारे, खाऱ्या पाण्यातील प्राणी
- शरीरावर छिद्रांना **ऑस्टिया** म्हणतात.
- वरच्या भागातील मोठ्या छिद्राला **ऑस्क्युलम** म्हणतात.
- बहुतांश खाऱ्या पाण्यात आढळतात.
- संज्ञा – 'ग्रॅन्ट' यांनी दिली
- अमोनिया हा पदार्थ उत्सर्जित करतात.
- रक्ताभिसरण, चेतासंस्था नसते.
- पुनर्जन्मक्षमता असते.
- **वर्गीकरण :**
  1) **वर्ग कॅलकॅरी :** खाऱ्या पाण्यात आढळतात.
     उदा : सायकॉन, ग्रॅटीया, ल्युकोसोलेनिया
  2) **वर्ग हायलोस्पाँजिया :** 'ग्लास स्पाँजेस' म्हणतात.
     उदा : युप्लेक्टेला, हायलोनेमा
  3) **वर्ग डेमोस्पाँजिया :** खारे तसेच गोड्या पाण्यात राहतात.
     उदा : कॅलिना, युरचाँज, स्पाँजीला इ.

2. **खालीलपैकी कोणता/कोणत्या प्राणी/प्राण्यांचा समूह हे सरपटणारे प्राणी या वर्गात मोडतात?**

(Combine Pre. Gr. B - 2022)

(a) पाल, साप, बेडूक आणि लोरीस
(b) कासव, घडीयाल, कॅमेन आणि टॉटयारा
(c) कासव, मगर, सॅलेमेंडर आणि पाल
(d) सॅलेमेंडर, सरडा, कासव आणि बेडूक

पर्यायी उत्तरे :

(1) फक्त (b)   (2) फक्त (b) आणि (c)
(3) फक्त (c) आणि (d)   (4) वरीलपैकी सर्व

स्पष्टीकरण - उत्तर क्र. 1

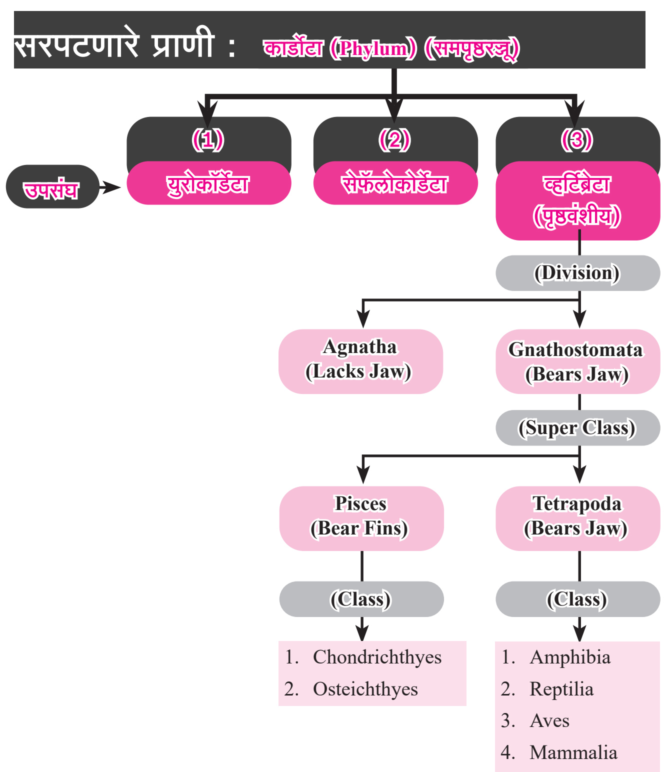

- हा तक्ता खूप महत्त्वाचा आहे.
- आयोगाचा Q. Pattern समजून घेऊनच अभ्यास करावा लागेल. कारण वर्गीकरणामध्ये भरपूर Detailed माहिती आहे.
- मात्र परीक्षाभिमुख माहिती वेचता आली पाहिजे.

सरपटणारे प्राणी :

- या वर्गाच्या अभ्यासाला 'Herpetology' म्हणतात.
- हृदयाचे 3 कप्पे असतात. (अपवाद मगर : चार कप्पे असतात)
- श्वसन फुफ्फुसाद्वारे तर हात-पायाच्या दोन जोड्या असतात. उदा. कासव, पाल, साप.
- साप, पाल हे कात टाकतात.
- या क्लासमध्ये 6 उपगट मोडतात. यातील चार अस्तित्वात नाहीत.

- आयोगाने विचारलेला प्रश्न हा त्या वर्गामधील प्राण्यांचा विचारला आहे. या ठिकाणी महत्त्वाचे क्लास व त्यातील Subclass - Order - Super Order यातील प्राणी माहित असणे गरजेचे आहे.
- सरीसृप मध्ये कासव, पाल, सरडा, मगर, शॅमेलियॉन सरडा, पाय नसणारे साप, अजगर.
- आयोगाने दिलेल्या पर्यायातील 'सलॅमेंडर' हा उभयचर वर्गातील प्राणी आहे. त्यामुळे दिलेल्या पर्यायातून पर्याय क्र. 2, 3, 4 रद्द होतात.

- पर्याय क्र. 3 व 4 हे सॅलॅमेंडर मुळे तर पर्याय क्र. 2 मध्ये क असल्याने अशाप्रकारे या ठिकाणी ही **Elimination Method** वापरता येते. मात्र माहिती पाहिजे.
- अधिक माहितीसाठी ॲम्फीबिया हे प्रथम जमिनीवर राहणारे प्राणी होत.
- उदा. युरोटायफ्लस, सिसीलियान, सॅलॅमेंडर, नेक्टरस, सायरेन, ट्रायट्युरस, प्रोटियस, रानाटायगरीयाना, रानापायपियन्स, टोड, ॲलिटस, हायला, रायफोपोरस.

3. योग्य जोड्या लावा : **(संयुक्त पूर्व गट-क 2022)**

गट 'A'	गट 'B'
(अ) सॅलॅमॅन्डर	(i) शीतरक्ती
(ब) बदकचोचा	(ii) सॅन्वीवोरस
(क) जळू	(iii) असममित
(ड) पॅरामेशिअम	(iv) अंडज सस्तन प्राणी

पर्यायी उत्तरे :

	(अ)	(ब)	(क)	(ड)
(1)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(2)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(3)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(4)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)

स्पष्टीकरण - उत्तर क्र. 2

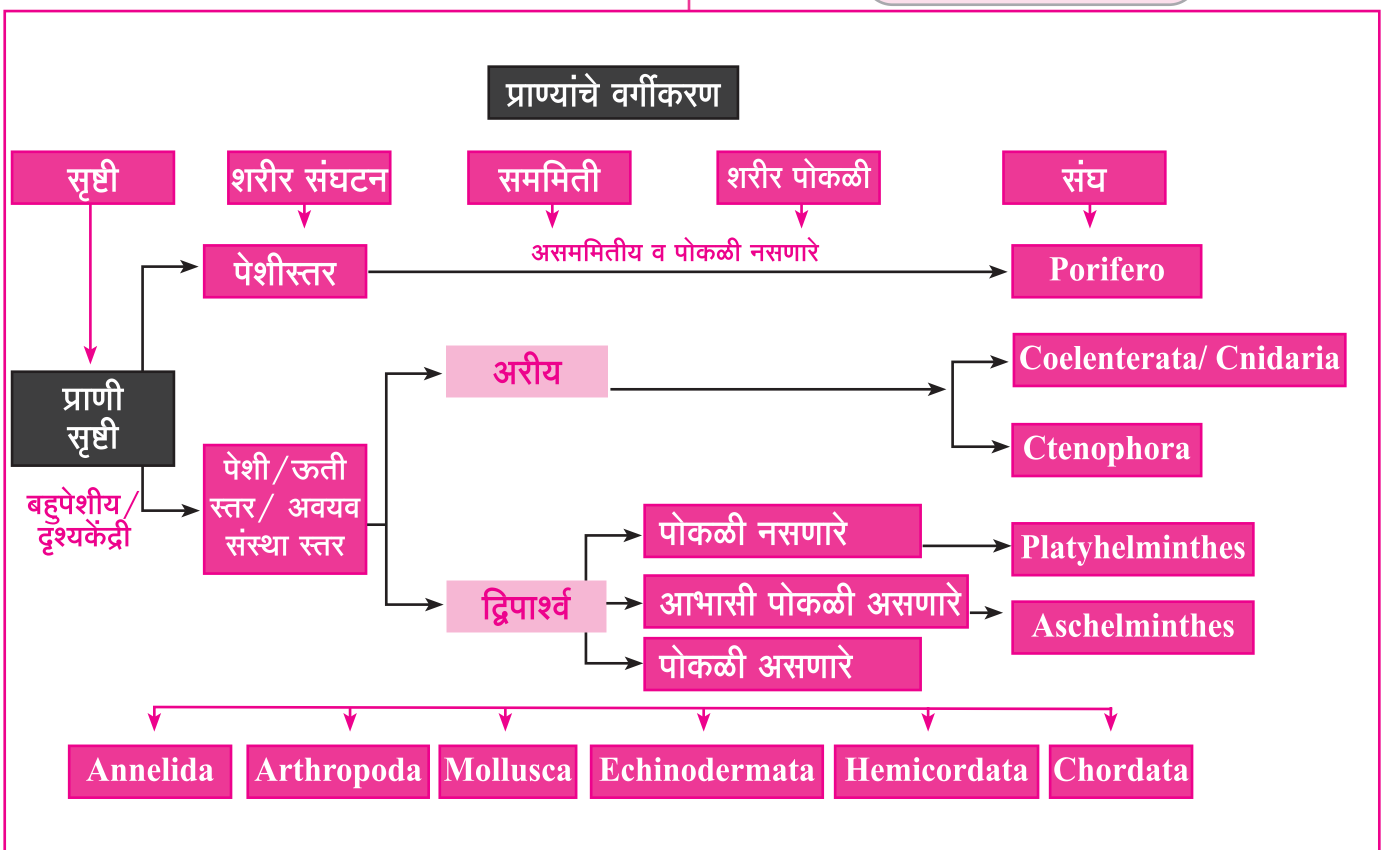

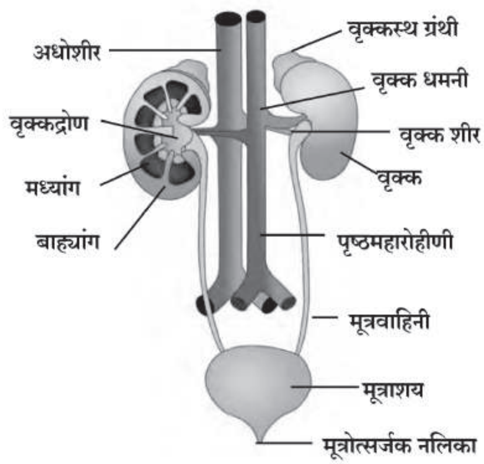

- प्रत्येक मध्यांशामध्ये एक लाख याप्रमाणे प्रत्येक वृक्कात 10 लाख मुत्र जनक नलिका असतात. त्यांना **वृक्काणू (Nephron)** असे म्हणतात.

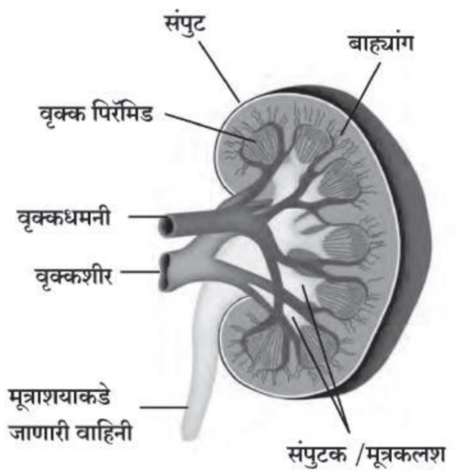

- वृक्काणूमध्येच अशुद्ध रक्त गाळण्याची मुलभूत क्रिया घडून येते.
- **उजवे वृक्क हे डाव्या वृक्कापेक्षा थोडेसे खाली असते. कारण त्याच्यावर यकृत ग्रंथी असते.**
- आपल्या शरीरातील रक्त वृक्कामधून दररोज 400 वेळा गाळले जाते. म्हणजे एका मिनिटाला 125 मिली एवढे रक्त गाळले जाते.
- आपले वृक्क दररोज साधारणपणे 180-190 लीटर द्रव्य गाळते व त्यातून 1-1.9 लीटर मुत्र तयार होते.
- आपल्या किडनीला दर मिनिटाला 1100 ते 1200 मिली एवढे रक्त पुरविले जाते.

उर्त्सजन प्रक्रिया

1) **गाळणे (Filtration) :** ग्लोमेरुलसद्वारे रक्त गाळले जाते. हा गाळ बोमन्स संपुटात एकत्र केला जातो व पुढे नलिकेत पाठवला जातो, यालाच गाळण असे म्हणतात.

2) **पुन:शोषण (Reabsorption) :** शरीरास हवे असलेले पदार्थ पुन्हा रक्तात नेफ्रॉनद्वारे घेतले जातात.

3) **स्त्रावणे (Secrction) :** शरीराला नको असलेले पदार्थ रक्ताद्वारे परत नेफ्रॉनमध्ये जातात.
उदा. युरिया, युरिक आम्ल ही प्रक्रिया DCT भागात होते.

4) **उत्सर्जन (Excretion) :** नेफ्रॉनच्या शेवटी True Urine तयार होते.

10 ज्ञानेंद्रिय

1. **पातळपडद्या द्वारे प्रकाश डोळ्यामध्ये प्रवेश करतो त्याला ..... म्हणतात.** **(Combine Pre. Gr. B - 2022)**
(1) आयरीस (2) पुपिल
(3) रेटीना (4) कॉर्निया

स्पष्टीकरण - उत्तर क्र. 4

- **कॉर्निया –** पारपटलातून प्रकाश इथेच डोळ्यात प्रवेश करतो. प्रकाशाचे अपवर्तन इथेच घडते.
- **बुबुळ –** बाहुलीवर नियंत्रण ठेवते यालाच इरिस (Iris) म्हणतात.
- **बाहुली –** प्रकाशाची तडजोड करण्याच्या डोळ्यांच्या बाहुलीची प्रकृती म्हणजे नव्या परिस्थितीशी जुळवून घेणे होय.
- **रेटीना –** वास्तव व उलटी प्रतिमा तयार होतात. हा पडदा प्रकाश संवेदनशील असतो.

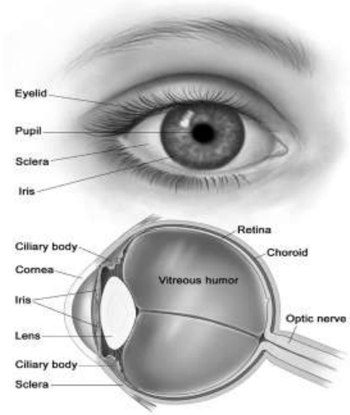

पारपटल (Cornea)

- हे डोळ्यातील सर्वात बाहेरील पारदर्शक आवरण असून आकार बहिर्वक्र आहे. हे आवरण कोलॅजन प्रथिनापासून बनते.
- आवरण पंचस्तरीय असून यामधून सभोतालच्या वस्तुवरून परावर्तित झालेला प्रकाश आपल्या डोळ्यात प्रवेश करतो.
- पारपटलच्या मागे नेत्रोद (Aqueous Humour) नावाचा द्रव असतो.